दैनिक
बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र
एक विश्वास....

एल्युमिनियम बनाम स्टेनलेस स्टील ...8
सिद्धार्थनगर
शनिवार ,11 जुलाई 2026
वर्ष: 13 अंक :209 पृष्ठ: 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित ।

सम्पादक : राजेश शर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

अयोध्या में सपा–कांग्रेस पर बरसे सीएम योगी

पूछा– हनुमानगढ़ी की सीढ़ियों पर नमाज पढ़वाने का पाप क्यों कराया था?

अयोध्या। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि ये पार्टियां भगवान राम के अस्तित्व पर सवाल उठाती रही हैं और जो लोग अब आस्था की बात कर रहे हैं, उन्होंने ही अयोध्या में हनुमानगढ़ी की सीढ़ियों पर नमाज पढ़ने की कोशिश की थी। अयोध्या में एक जनसभा को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि जो लोग अब भगवान राम और आस्था की बात कर रहे हैं, उन्होंने ही हाल ही में हनुमानगढ़ी की सीढ़ियों पर नमाज पढ़ने की कोशिश की थी। अपनी आलोचना को और तेज करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्षी दलों ने हमेशा अयोध्या के विकास का विरोध किया

है और उन प्रोजेक्ट्स का मजाक भी उड़ाया है जो अब हकीकत बन चुके हैं। उन्होंने कहा कि किसी ने सोचा भी नहीं था कि अयोध्या में एक इंटरनेशनल एयरपोर्ट होगा। समाजवादी पार्टी के नेता इस विचार का मजाक उड़ाते थे। आज अयोध्या में एक इंटरनेशनल एयरपोर्ट है, लेकिन वे इसके नाम से खुश नहीं हैं क्योंकि इसका नाम महर्षि वाल्मीकि के नाम पर रखा गया है। हनुमानगढ़ी में नमाज पढ़ने की कथित घटना का जिक्र करते हुए, आदित्यनाथ ने सवाल किया कि ऐसी हरकत की इजाजत क्यों दी गई और इसकी तुलना पूजा–पाठ की दूसरी जगहों पर होने वाली धार्मिक गतिविधियों से की। उन्होंने कहा कि जरा सोचिएकृक्या कोई कभी जामा मस्जिद के अंदर हनुमान चालीसा का पाठ कर सकता है? क्या कोई सरकार ऐसा करवा सकती है? क्या कांग्रेस या समाजवादी पार्टी ऐसा करवा सकती हैं? अगर वे ऐसा नहीं कर सकते, तो फिर इस काम की इजाजत क्यों दी गई? अयोध्या में हनुमानगढ़ी की सीढ़ियों पर ऐसा क्यों किया गया?

मैंने पुलिस पर भरोसा किया, उन्होंने ही...

सीएम विजय ने करूर त्रासदी के घाव को किया याद, बोले- यह दर्द कभी नहीं भूलेंगे

करूर में मची भगदड़, जिसमें 41 लोगों की जान चली गई थी और जिसका असर राज्य विधानसभा चुनाव पर भी पड़ा था, उसके नौ महीने बाद तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय शुक्रवार को शहर लौटे। उन्होंने इस त्रासदी में अपनी भूमिका का बचाव किया, पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाए और पिछली क्डझ सरकार पर तीखा हमला किया। मुख्यमंत्री के तौर पर करूर के अपने पहले दौरे पर पीड़ितों के परिवारों के सदस्यों को नियुक्ति पत्र सौंपने के लिए आयोजित एक सभा को

संबोधित करते हुए, विजय ने भावुक होकर उस त्रासदी को याद किया और कहा कि उस नुकसान का बोझ आज भी उनके मन पर भारी है। मुख्यमंत्री बनने के बाद पहली बार करूर के दौरे पर आए उन्होंने कहा कि कोई व्यक्ति चाहे कितनी भी ऊंचाइयों पर क्यों न पहुंच जाए, मानसिक रूप से कुछ ऐसे घाव और चोटें होती हैं जिन्हें कभी भुलाया नहीं जा सकता। हम कई तरह की चोटों और घावों से उबरकर ही यहां तक घ्घ्पहुंचे हैं। लेकिन इन सबसे बुरा, वह घाव और दर्द जिसने मुझे सबसे ज्यादा तकलीफ दी, वह करूर की घटना थी। विजय ने कहा कि पिछले साल करूर का उनका दौरा ज्ट्ज्ञ के लोगों तक पहुँचने और उनकी समस्याओं के बारे में आवाज उठाने का हिस्सा था। उन्होंने बताया कि अरियालुर में एक मीटिंग खत्म करने के बाद पेरम्बलुर पुलिस ने उन्हें वहाँ जमा भारी भीड़ के बारे में आगाह किया था। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें बताया गया था कि देर हो रही है और उन्हें वहाँ नहीं आना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसलिए हमारे पास कोई चारा नहीं था। जब पुलिस हमें कुछ कहती है, तो हमें उनकी बात माननी ही पड़ती है, है ना? साथ ही, पेरम्बलुर के लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, हम भारी मन से वापस लौट आए।

जिसके पास लाइसेंस, सिर्फ वही सिक्योरिटी एजेंसी करेगी काम

अमित शाह ने बंदरगाहों की सुरक्षा को लेकर दिए निर्देश

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बंदरगाहों की सुरक्षा में केवल लाइसेंस प्राप्त निजी सुरक्षा एजेंसी ही काम पर लगाने पर जोर दिया।

पत्तन, पोत परिवहन एवं जहाजरानी मंत्री सर्बानंद सोनोवाल के साथ बैठक कर पत्तन सुरक्षा ब्यूरो के गठन में हुई प्रगति की समीक्षा करते हुए शाह ने बंदरगाहों पर सिर्फ सीआइएसएफ द्वारा प्रशिक्षित निजी सुरक्षा कर्मियों को तैनात करने की जरूरत बताई।

इन सुरक्षाकर्मियों के प्रशिक्षण के लिए पत्तन सुरक्षा प्रशिक्षण संस्थान की मौजूदा आधारभूत संरचना का इस्तेमाल किया जा सकता है। शाह ने कहा कि मोदी सरकार तटीय सुरक्षा को अभेद्य बनाने के लिए कृतसंकल्प है।

अमित शाह ने दिए निर्देश

देश में विकास की तेज रफ्तार और उसी के अनुसार बंदरगाहों पर बढ़ती गतिविधियों को देखते हुए अमित शाह ने उनकी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि पत्तन सुरक्षा ब्यूरो में तैनात किए जाने वाले सुरक्षाकर्मियों का एक डेटाबेस बनाया जाए। पत्तन सुरक्षा ब्यूरो के तहत आने वाले सभी बंदरगाहों पर कंटेनर स्कैनिंग की व्यवस्था हो। उन्होंने सीआइएसएफ को देश के बड़े बंदरगाहों, जैसे विशाखापत्तनम पोर्ट, जवाहरलाल नेहरू पोर्ट और मुंद्रा पोर्ट पर जाकर पत्तन सुरक्षा ब्यूरो को सौंपी जाने वाली सुरक्षा का ट्रायल करने को कहा। हवाई अड्डों की सुरक्षा के लिए बनाए ब्यूरो आफ सिविल एविएशन की तर्ज पर बंदरगाहों की सुरक्षा के लिए मर्चेंट शिपिंग एक्ट के तहत पत्तन सुरक्षा ब्यूरो का गठन किया जा रहा है। ब्यूरो का नेतृत्व एक महानिदेशक करेगा और यह पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय के अधीन काम करेगा। पत्तन सुरक्षा ब्यूरो जहाजों और बंदरगाहों पर सुविधाओं की सुरक्षा से संबंधित नियामक एवं निरीक्षण कार्यों के लिए उत्तरदायी होगा।

पत्तन सुरक्षा ब्यूरो सुरक्षा संबंधी सूचनाओं का समयबद्ध विश्लेषण, संग्रहण और आदान–प्रदान सुनिश्चित करेगा, जिसमें साइबर सुरक्षा पर विशेष ध्यान होगा। इसमें बंदरगाहों की आइटी अवसंरचना को डिजिटल खतरों से सुरक्षित रखने के लिए डेडिकेटेड प्रभाग भी शामिल होगा।

शेख हसीना दिसंबर में बांग्लादेश लौटकर करेंगी सरेंडर, बोलीं– मौत आए तो अपनी मिट्टी पर आए

नई दिल्ली। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना अपने देश वापस लौटने का एलान किया है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स को दिए एक एक्सक्लूसिव इंटरव्यू में शेख हसीना ने कहा कि वह अपने वरिष्ठ पार्टी सहयोगियों के साथ दिसंबर के आसपास भारत में अपना निर्वासन खत्म कर स्वदेश लौटेंगी और कोर्ट में आत्मसमर्पण करेंगी। दरअसल, बांग्लादेश में मौत की सजा का सामना कर रहीं और अपनी पार्टी (अवामी लीग) पर प्रतिबंध झेल रहीं शेख हसीना ने कहा कि वे अपने देश में कोर्ट के सामने खुद को सरेंडर कर यह देखना चाहती हैं कि बांग्लादेश की सरकार अपने सबसे प्रमुख राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी के साथ कैसा व्यवहार करती है। दक्षिण एशियाई देश की सबसे लंबे समय तक सत्ता में रहीं शेख हसीना ने कहा कि वह और उनकी अवामी लीग के सदस्य स्वेच्छा से उस देश लौटना चाहते हैं, जिसे वे दो साल पहले छोड़कर भाग गई थी।

मनीष गुप्ता केस: जमानत के लिए हाई कोर्ट पहुंचा आरोपी इंस्पेक्टर, CBI को नोटिस जारी कर मांगा जवाब

दिल्ली हाई कोर्ट ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश पुलिस के पूर्व इंस्पेक्टर जगत नारायण सिंह की रेगुलर जमानत अर्जी पर ब्ट्प को नोटिस जारी किया। उन्हें गोरखपुर में बिजनेसमैन मनीष गुप्ता की 2021 में हुई मौत के मामले में गिरफ्तार किया गया था। हाई कोर्ट ने स्टेटस रिपोर्ट मांगी और मामले की सुनवाई के लिए 13 अगस्त की तारीख तय की। यह मामला 27 सितंबर, 2021 को गोरखपुर के एक होटल में उत्तर प्रदेश पुलिसकर्मियों द्वारा मनीष गुप्ता की कथित पिटाई से जुड़ा है। कथित तौर पर चोटों के कारण उनकी मौत हो गई थी। मामले में पुलिसकर्मियों के आरोपी होने के कारण, सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर जांच ब्ट्प को और ट्रायल नई दिल्ली ट्रांसफर कर दिया गया था। आरोपी जगत नारायण सिंह ने वकील कन्हैया सिंघल के जरिए रेगुलर जमानत के लिए हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। जस्टिस मनोज जैन ने ब्ट्प को नोटिस जारी कर जवाब मांगा। नॉमिनल रोल भी मंगाया गया है। वकील रिपुदमन भारद्वाज ने नोटिस स्वीकार किया और स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने के लिए समय मांगा। इस मामले में छह पुलिसकर्मी आरोपी हैं। उनमें से एक ने जनवरी 2023 में ट्रायल कोर्ट द्वारा तय किए गए आरोपों के आदेश को चुनौती दी थी।

कांग्रेस के साथ विलय की खबरों पर सुप्रिया सुले का विराम

कहा– सहयोगी के तौर पर मिलकर काम करते रहेंगे

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) की कार्यकारी अध्यक्ष और बारामती से लोकसभा सांसद सुप्रिया सुले ने कांग्रेस में अपनी पार्टी के विलय की तमाम अटकलों को सिरे से खारिज कर दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि दोनों दलों के बीच विलय को लेकर न तो कोई बातचीत हुई है और न ही ऐसा कोई प्रस्ताव सामने आया है। सुले ने कहा कि दोनों दल एक मजबूत सहयोगी के रूप में भविष्य में भी साथ मिलकर काम करते रहेंगे। सुप्रिया सुले ने पुणे में संवाददाताओं से बातचीत के दौरान कहा कि राकांपा (शप) किसी भी तरह की विलय प्रक्रिया में शामिल नहीं है। उन्होंने कहा कि न तो कांग्रेस की ओर से ऐसा कोई प्रस्ताव मिला है और न ही उनकी पार्टी ने विलय को लेकर कोई पहल की है। उन्होंने स्पष्ट किया कि महाराष्ट्र में विपक्षी गठबंधन महाविकास आघाड़ी (एमवीए) और राष्ट्रीय स्तर पर इंडियाश गठबंधन के घटक दलों के रूप में दोनों के बीच बेहतरीन तालमेल है और वे सहयोगी के रूप में हमेशा साथ रहेंगे। दोनों दलों के बीच मजबूत और सौहार्दपूर्ण रिश्तों का

जिक्र करते हुए सुले ने बताया कि वे राजनीतिक मुद्दों पर नियमित रूप से एक–दूसरे के संपर्क में रहते हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली दौरे के समय वह कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी से मिलकर महाराष्ट्र के राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक मुद्दों पर विस्तार से चर्चा करती हैं। इसके अलावा, वह राज्य के विभिन्न विषयों पर राहुल गांधी के साथ भी लगातार विचार–विमर्श करती हैं और संसद की कई संयुक्त समितियों में दोनों दल साथ मिलकर काम करते हैं। सुले ने दोनों परिवारों के बीच के करीबी रिश्तों का हवाला देते हुए बताया कि पिछले महीने मुंबई में उनकी बेटी रेवती और उद्योगपति सारंग लखानी के विवाह समारोह में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी भी शामिल हुए थे और नवदंपति को अपना आशीर्वाद दिया था। उन्होंने दोहराया कि सहयोगी दल के रूप में राकांपा (शप) और कांग्रेस पहले भी साथ थे, आज भी साथ हैं और आगे भी साथ रहेंगे। गौरतलब है कि सुप्रिया सुले के पिता और वरिष्ठ नेता शरद पवार ने वर्ष 1999 में कांग्रेस से अलग होकर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) का गठन किया था। जुलाई 2023 में पार्टी में उस समय विभाजन हो गया था जब तत्कालीन उपमुख्यमंत्री अजीत पवार महाराष्ट्र की सत्तारूढ़ शिवसेना–भाजपा गठबंधन सरकार में शामिल हो गए। इसके बाद अजीत पवार के नेतृत्व वाले गुट को पार्टी का नाम और चुनाव चिह्न मिला, जबकि शरद पवार के नेतृत्व वाला गुट राकांपा (शप) के नाम से जाना जाने लगा। पिछले सप्ताह कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने कांग्रेस से अलग हुए क्षेत्रीय दलों से अपनी मूल पार्टी में लौटने की अपील की थी ताकि वैचारिक प्रतिद्वंद्वियों का मुकाबला मजबूती से किया जा सके।

ट्रंप ने बम दाग कर दहलाया, ईरान ने मिसाइलों से कोहराम मचाया, 2 दिन, 170 हमलें और कई मौतें

ईरान अमेरिका की जंग विध्वंसक मोड़ यहां पर लेती हुई जा रही है। ईरान पर हमले हुए हैं तो ईरान ने भी पलटवार यहां पर किया है। ईरान लगातार चेतावनी अमेरिका को दे रहा है। अमेरिका हर उस जगह को निशाना यहां पर बना रहा है जो ईरान के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अमेरिकी सेना ने चाबहार पोर्ट पर जबरदस्त बमबारी की है। दावा यह भी किया जा रहा है कि अमेरिका ईरान पर बड़े हमले की तैयारी कर रहा है। अब अमेरिका पर ईरान ने बहुत बड़ा आरोप यहां पर लगा दिया। ईरानी मीडिया का दावा यह है कि परमाणु ठिकाने के पास हमले हुए हैं और अमेरिका ने ईरान के बुशहर परमाणु प्लांट के पास हमला कर दिया है। मेहर न्यूज एजेंसी है जिसके मुताबिक वहां पर धमाकों की आवाज सुनाई दी है और अमेरिका ने तड़के ईरान के 90 सैन्य ठिकानों पर हमले किए हैं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने जो दावा यहां पर किया उसके मुताबिक एयर डिफेंस सिस्टम, तटीय निगरानी ठिकाने, मिसाइल और ड्रोन भंडार के साथ ही नौसैनिक ठिकानों को भी निशाना बनाया गया।

राम मंदिर में चढ़ावे की कथित हेराफेरी की जांच संबंधी याचिकाओं पर 13 जुलाई को सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

अयोध्या के प्रसिद्ध राम मंदिर में चढ़ावे की कथित हेराफेरी के मामले में अब सुप्रीम कोर्ट सुनवाई करने जा रहा है। देश की शीर्ष अदालत आगामी 13 जुलाई को उन याचिकाओं पर सुनवाई करेगी, जिनमें इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष और समयबद्ध जांच कराने की मांग की गई है। सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट के मुताबिक, भारत के प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ सोमवार को अदालत की कार्यवाही दोबारा शुरू होने पर इन याचिकाओं पर सुनवाई करेगी। इस मामले में तीन अलग–अलग याचिकाएं दायर की गई हैं। इनमें से एक याचिकाकर्ता नरेंद्र कुमार गोस्वामी ने घटना की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से कराने और राम मंदिर का प्रबंधन देखने वाले श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के वित्तीय लेन–देन का भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) से ऑडिट कराने का अनुरोध किया है। दूसरी याचिका अजय कुमार राय और दिनेश कुमार यादव ने दायर की है, जिसमें इसी तरह के अनुरोध किए गए हैं। वहीं, तीसरी याचिका राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के सांसद सुधाकर सिंह ने दायर की

है, जिसमें उन्होंने सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में सीबीआई जांच के साथ–साथ ट्रस्ट के पूरे वित्तीय लेन–देन का फॉरेंसिक ऑडिट कराने की मांग की है। इससे पहले न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना की अध्यक्षता वाली अवकाशकालीन पीठ ने एक याचिकाकर्ता से मामले को शीघ्र सुनवाई के लिए बाद की किसी तारीख पर सूचीबद्ध कराने का आग्रह करने को कहा था। अधिवक्ता अजय कुमार राय और दिनेश कुमार यादव द्वारा दायर याचिका में कहा गया है कि सीबीआई के नेतृत्व में एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया जाना चाहिए, जो श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कामकाज, प्रशासन और कथित वित्तीय अनियमितताओं की जांच करे। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गठित एसआईटी ने बिना कोई प्राथमिकी या नियमित आपराधिक मामला दर्ज किए ही जांच शुरू कर दी थी। उनका तर्क है कि स्वतंत्र रूप से आरोपों का सत्यापन एक पेशेवर जांच एजेंसी द्वारा किया जाना चाहिए जिसके पास जटिल वित्तीय और आपराधिक मामलों की जांच के लिए आवश्यक विशेषज्ञता और संसाधन उपलब्ध हों। याचिका में कहा गया है कि इस जांच से जनता का भरोसा ज्यादा बढ़ेगा, क्योंकि यह मामला सिर्फ संभावित संज्ञेय अपराधों तक सीमित नहीं है बल्कि इससे करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था और भावनाएं जुड़ी हैं।

सत्ता के अहंकार में इतिहास के तथ्यों को तोड़–मरोड़ रही है केंद्र सरकार: अशोक गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की किताबों में किए गए बदलावों को लेकर केंद्र सरकार पर कड़ा प्रहार किया है। गहलोत ने सरकार के इस कदम को संकीर्ण मानसिकता का सबूत बताया है। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि जिस विचारधारा का देश के स्वाधीनता आंदोलन से कोई लेना–देना नहीं रहा और जिसने देश की आजादी की लड़ाई में कभी कोई योगदान नहीं दिया, वह आज सत्ता के

अहंकार में डूबी हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि यही ताकतें आज देश के इतिहास और उसके तथ्यों को तोड़–मरोड़ कर पेश करने की कोशिश कर रही हैं। अशोक गहलोत ने एक बयान जारी कर कहा कि एनसीईआरटी की कक्षा आठ की किताबों में हाल ही में किए गए बदलाव इसी संकीर्ण सोच का नतीजा हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार को हर मोर्चे पर नाकाम बताते हुए कहा कि वह अपनी कमियों को छिपाने के लिए गलत जनमत तैयार करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि सरकार अपनी नाकामियों को सुधारने के बजाय हमारे महान पूर्वजों और स्वतंत्रता सेनानियों पर छींटाकशी कर रही है और एक गलत नैरेटिव (विमर्श) तैयार करने में जुटी है।

पुलिस अधीक्षक ने वाराणसी जोन की 43वीं अंतर्जनपदीय बैडमिंटन एवं टेबल टेनिस क्लस्टर प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा आयोजित वाराणसी जोन की 43वीं अंतर्जनपदीय बैडमिंटन एवं टेबल टेनिस क्लस्टर प्रतियोगिता का शुभारंभ 10 जुलाई को पुलिस लाइन, में पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा द्वारा किया गया। यह तीन दिवसीय प्रतियोगिता 10 जुलाई से 12 जुलाई 2026 तक आयोजित की जाएगी। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) ऋषभ रुणवाल, अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) अनिल कुमार, क्षेत्राधिकारी नगर रणधीर मिश्रा, क्षेत्राधिकारी घोरावल राजेश कुमार राय, क्षेत्राधिकारी पिपरी हर्ष पाण्डेय, क्षेत्राधिकारी दुद्धी विनय प्रभाकर साहनी, प्रतिसार निरीक्षक मो. नदीम सहित जनपद के अन्य अधिकारीगण, पुलिसकर्मी, खेलप्रेमी एवं बड़ी संख्या में प्रतिभागी खिलाड़ी उपस्थित रहे।

प्रतियोगिता में वाराणसी जोन के अंतर्गत आने वाले 10 जनपदों. सोनभद्र, मीरजापुर, भदोही, गाजीपुर, चंदौली, जौनपुर, आज़मगढ़, बलिया, मऊ एवं वाराणसी.की टीमों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। खिलाड़ियों के आगमन से प्रतियोगिता स्थल खेल भावना एवं उत्साह से सराबोर दिखाई दिया। प्रतियोगिता का शुभारंभ करते हुए पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने कहा कि.ष्खेल व्यक्ति के सर्वांगीण विकास का सशक्त माध्यम हैं। ये शारीरिक एवं मानसिक रूप से सु.ढ़ बनाने के साथ–साथ अनुशासन, टीम भावना, आत्मविश्वास एवं नेतृत्व क्षमता का विकास करते हैं। पुलिस बल में खेलों का विशेष महत्व है, क्योंकि एक स्वस्थ एवं फिट पुलिसकर्मी अपने दायित्वों का बेहतर ढंग से निर्वहन कर सकता है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं विभिन्न जनपदों के पुलिसकर्मियों के बीच आपसी समन्वय, सौहार्द एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को प्रोत्साहित करती हैं। सभी खिलाड़ी खेल भावना एवं अनुशासन के साथ प्रतियोगिता में भाग लें और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए प्रतियोगिता के सफल आयोजन की कामना की।ष उद्घाटन समारोह के उपरांत प्रतियोगिता के विभिन्न मुकाबलों का शुभारंभ हुआ, जिसमें खिलाड़ियों ने उत्ष्ट खेल कौशल, अनुशासन एवं खेल भावना का परिचय दिया। विभिन्न जनपदों से आए प्रतिभागियों के रोमांचक मुकाबलों ने उपस्थित दर्शकों का भरपूर उत्साहवर्धन किया तथा प्रतियोगिता का वातावरण ऊर्जा एवं प्रतिस्पर्धा से परिपूर्ण रहा। यह प्रतियोगिता आगामी 12 जुलाई 2026 तक विभिन्न वर्गों में आयोजित की जाएगी, जिसमें उत.ष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों एवं टीमों को समापन समारोह में सम्मानित किया जाएगा।

खेत में खून से लथपथ मिला युवक का शव, पुलिस मामले की जांच में जुटी

कुशीनगर। जनपद के कसया थाना क्षेत्र में शुक्रवार को उस समय सनसनी फैल गई जब खेत में लगभग 20 वर्षीय एक युवक का रक्तरंजित शव मिला। मृतक की पहचान गौरव कुमार उर्फ गोलू निवासी वार्ड नंबर 5 बापू नगर डिघवा बुजुर्ग के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज कर मामले की जांच में जुट गई है।

जानकारी के अनुसार उक्त युवक की धारदार हथियार से गोद कर हत्या करने की बात कही जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही तत्काल मौके पर पहुंची मुकामी पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज कर मामले की जांच में जुट गई है।

घटना की जानकारी होते ही परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों का रो रोकर बुरा हाल हो गया है। घटना की गंभीरता को देखते हुए मौके पर तत्काल पहुंचे एडिशनल एसपी सिद्धार्थ वर्मा व क्षेत्राधिकारी कसया ने घटनास्थल स्थल का मुआइना कर पुलिस टीम को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। वही फोरेंसिंक टीम ने घटनास्थल पर पहुंच कर महत्वपूर्ण साक्ष्यों को इकट्ठा कर जांच शुरू कर दी है। इस संबंध में अपर पुलिस अधीक्षक कुशीनगर ने बताया कि जल्द ही मामले का खुलासा कर दोषियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जायेगी।

कोहरगड्डी में बदहाल सड़क पर धान की रोपाई, ग्रामीणों का अनोखा प्रदर्शन

पडरौना,कुशीनगर। जनपद के नेबुआ नौरंगिया क्षेत्र के कोहरगड्डी गांव में वर्षों से जर्जर सड़क और जलभराव से परेशान ग्रामीणों ने अनोखे अंदाज में विरोध प्रदर्शन किया। बारिश के बाद सड़क पर बने गहरे गड्ढों और भरे पानी के बीच ग्रामीणों ने धान की रोपाई कर प्रशासन का ध्यान आकर्षित करने की कोशिश की। ग्रामीणों का कहना है कि यह सड़क पिछले करीब 20 वर्षों से बदहाल है। बरसात के मौसम में सड़क पूरी तरह कीचड़ और पानी से भर जाती है, जिससे पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है। स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को रोजाना भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। कई बार लोग फिसलकर चोटिल भी हो चुके हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि सड़क की मरम्मत के लिए कई बार जनप्रतिनिधियों

छप्पर में आग गृहस्थी जलकर राख

जौनपुर। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के ग्राम जरौ में एक गरीब परिवार का आशियाना आग की भेंट चढ़ गया। पीड़ित सन्तोष कुमार कश्यप पुत्र राजेन्द्र प्रसाद कश्यप के छपपर में अचानक आग लगने से पूरा घर और उसमें रखा गृहस्थी का सामान जलकर राख हो गया।बताया जा रहा है कि पीड़ित के पास पक्का मकान नहीं है और पूरा परिवार छप्पर में ही गुजर–बसर कर रहा था। आग इतनी भीषण थी कि घर में रखा खाद्यान्न, खाने–पीने का सामान, कपड़े, तीन सिलाई मशीनें, प्रेस समेत अन्य आवश्यक घरेलू सामान पूरी तरह नष्ट हो गया।सबसे दुखद बात यह रही कि पीड़ित ने हाल ही में अपनी भैंस बेचकर मिले 50 हजार नकद घर में रखे थे, जो आग की चपेट में आकर जल गए। इससे परिवार के सामने आर्थिक संकट और गहरा गया है।स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक पूरा छप्पर और गृहस्थी का सामान खाक हो चुका था।

पेड़ से लटका मिला अधेड़ उका षव

जौनपुर। बरसठी थाना क्षेत्र के गनेशपुर गांव निवासी 55 वर्षीय राय साहब चौहान का शव सुबह उनके घर के सामने शीशम के पेड़ से फंदे के सहारे लटका मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सुबह जब उनकी पत्नी व ग्रामीणों की नजर शव पर पड़ी तो हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची बरसठी पुलिस ने शव को नीचे उतरवाकर कब्जे में लिया और पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। राय साहब चौहान दो भाइयों में सबसे छोटे थे। वे ईंट–भट्ठे पर मजदूरी कर परिवार का भरण–पोषण करते थे। उनके परिवार में केवल पत्नी हैं, उनकी कोई संतान नहीं है। ग्रामीणों ने बताया कि वह करीब 10 दिन पूर्व वाराणसी स्थित एक भट्ठे से काम करके लौटे थे और इन दिनों स्थानीय स्तर पर मजदूरी कर रहे थे। शव को पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

खेत को लेकर खूनी संघर्ष , दो वृद्ध गंभीर

जौनपुर। सिकरारा थाना क्षेत्र के लखेसर गांव में खेत के बंटवारे को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। आरोप है कि भतीजे ने अपने साथियों के साथ मिलकर लाठी–डंडों और धारदार हथियार से दो सगे बुजुर्ग भाइयों पर जानलेवा हमला कर दिया। हमले में 73 वर्षीय रामचंद्र यादव और 76 वर्षीय कमलाकांत यादव गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची 108 एंबुलेंस ने दोनों घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है। घायलों ने आरोप लगाया है कि खेत के बंटवारे के विवाद को लेकर उनके भतीजे ने हमला कराया। उन्होंने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने तथा न्याय दिलाने की मांग की है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस का कहना है कि मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है तथा तहरीर के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

नलकूप में सोने गए अधेड़ का मिला शव

फतेहपुर। चांदपुर थाना क्षेत्र के ग्राम गोदहा में अपने नलकूप में सोने गये 57 वर्षीय अधेड़ का गुरूवार की सुबह मृत अवस्था में मिला। परिजनों के अनुसार आकाशीय बिजली गिरने से मौत हुयी है। जानकारी के अनुसार गोदहा गांव निवासी स्व0 रामखेलावन का पुत्र विमलकान्त रोज की भांति अपने नलकूप में सोने गया था। सुबह जब वह घर नहीं आया तो परिजनों ने जाकर देखा तो नलकूप में मृत अवस्था में पड़ा था। सूचना पाकर मौके में पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर विच्छेदन ग्रह भेज दिया। पोस्टमार्टम हाउस में मृतक भतीजा गुलशन के अनुसार उसके चाचा नलकूप में सोने गये गये थे। तभी अर्द्धरात्रि बारिश के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से मौत हुयी है। वहीं पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिर्पोट के बाद ही मौत का सही कारण ज्ञात हो सकेगा।

चोरी की बाइक भी मिल गई, चोर भी मिल गया... फिर किसके दबाव में कार्यवाही से परहेज कर रही है नेबुआ नौरंगिया पुलिस?

नेपाल में पकड़ा गया बाइक चोर, लेकिन आज 3 दिन बाद भी मुकामी पुलिस ने नहीं दर्ज किया गया है मुकदमा

कुशीनगर,। अगर चोरी की बाइक बरामद हो जाए, चोर पकड़ा जाए और पुलिस खुद नेपाल जाकर उसे लेकर आए, तो आगे की कार्रवाई क्या होगी? सामान्य जवाब होगा आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जेल भेजना। लेकिन नेबुआ नौरंगिया में कहानी उल्टी दिखाई दे रही है। यहां बाइक भी मिल गई, आरोपी भी मिल गया, मगर पुलिसिया कार्रवाई कहीं रास्ते में गुम हो गई। यही वजह है कि अब पुलिस की भूमिका और नीयत दोनों पर सवाल उठ रहे हैं।

उक्त मामला नेबुआ रायगंज निवासी गोविंद गुप्ता की बाइक चोरी का है। बीते सोमवार की शाम शराब भट्ठी के पास से गोविन्द गुप्ता की बाइक चोरी हो गई थी। परिजनों का आरोप है कि पुलिस को सूचना देने के बावजूद अपेक्षित तत्परता नहीं दिखाई गई। इसके बाद परिवार के लोग खुद नेपाल पहुंच गए और नवलपरासी जिले के एक चौराहे पर चोरी की बाइक के साथ एक युवक को दबोचा लिया।चर्चा है कि पकड़े गए युवक ने पूछताछ में अपने एक अन्य साथी का भी नाम बताया। इसके बाद परिजनों ने उसे नेपाल के बेलाटारी थाना पुलिस को सुपुर्द कर दिया। सूचना मिलने पर नेबुआ नौरंगिया थाने के एक दरोगा और एक सिपाही भी नेपाल पहुंचे और आरोपी से पूछताछ की। इतना ही नहीं, आरोपी को नेपाल से भारत लाने का कथित वीडियो भी क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

सबूत और आरोपी मिलने के बाद एफआईआर क्यो नही ?–– सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब चोरी की बाइक बरामद हो चुकी है, आरोपी की पहचान हो चुकी है और पुलिस पूछताछ भी कर चुकी है, तब आखिर अब तक मुकदमा दर्ज क्यों नहीं किया गया ? यदि आरोपी निर्दोष था तो उसे पकड़ा क्यों गया और यदि दोषी है तो उसे जेल क्यों नहीं भेजा गया?। यही सवाल अब गांव की चौपाल से लेकर बाजार तक गूंज रहा है। लोग इसे पुलिस की गंभीर लापरवाही मान रहे हैं तो कुछ लोग पूरे प्रकरण में किसी ष्अदृश्य दबावष की बात कर रहे हैं।

पीड़ित परिवार का आरोप– समझौता करो––

मामला और गंभीर तब हो गया जब पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया कि उन पर समझौते के लिए दबाव बनाया जा रहा है। यदि यह आरोप सही है तो यह केवल एक चोरी का मामला नहीं बल्कि न्याय प्रक्रिया को प्रभावित करने का प्रयास माना जाएगा। क्षेत्रवासियों का कहना है कि आम नागरिकों के मामलों में पुलिस तत्काल मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई का दावा करती है, लेकिन यहां बरामदगी और आरोपी पकड़े जाने के बाद भी पुलिसिया कार्रवाई का पहिया रुक जाना कई सवाल खड़ा करता है।

नेपाल पहुंची पुलिस चर्चा में–– चर्चा के अनुसार नेपाल जाने वाले पुलिसकर्मी कथित तौर पर उच्चाधिकारियों की पूर्व अनुमति के बिना ही पडोसी राष्ट्र नेपाल सीमा में प्रवेश कर गए थे। यदि ऐसा हुआ है तो यह गहन व निष्पक्ष जांच का विषय है। हालाकि इसकी अधिकारी पुष्टि नही हुई है। वही इस मामले ने सिर्फ एक बाइक चोरी की घटना को नहीं, बल्कि पुलिस की कार्य प्रणाली को कटघरे में खड़ा कर दिया है। सबब यह है कि जब बाइक बरामद हो गई तो मुकदमा दर्ज क्यों नहीं हुआ? जब आरोपी पकड़ा गया तो जेल क्यों नहीं भेजा गया ? यदि आरोपी दोषी नहीं था तो उसे हिरासत में क्यों लिया गया? पीड़ित परिवार समझौते के दबाव की बात क्यों कर रहा है? और सबसे अहम सवाल क्या किसी को बचाने की कोशिश हो रही है? फिलहाल क्षेत्र में चर्चा का विषय है कि जब बाइक भी मिल गई और चोर भी पकड़ लिया गया, तो फिर मुकदमा और जेल भेजने में आखिर अड़चन क्या है?।

एडीएम की जांच में भर्ती पर लगे दाग, फिर भी अफसर बेदाग?

आवेदन गायब, चयन बरकरार? जिला प्रोबेशन कार्यालय की भर्ती पर बड़ा सवाल

कुशीनगर। जिला प्रोबेशन कार्यालय कुशीनगर में हुई आउटसोर्सिंग भर्ती का मामला अब प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर ही सवाल खड़े करने लगा है। एक तरफ अपर जिलाधिकारी न्यायिक की जांच आख्या में भर्ती प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताओं की पुष्टि की गई, वहीं दूसरी तरफ जांच रिपोर्ट आने के 20 दिन बाद भी न तो भर्ती निरस्त हुई और न ही किसी जिम्मेदार अधिकारी पर कार्रवाई हुई। अब शिकायतकर्ता ने मंडलायुक्त गोरखपुर से हस्तक्षेप कर एफआईआर दर्ज कराने और पूरी चयन प्रक्रिया को निरस्त करने की मांग की है। शिकायतकर्ता अभिषेक कुमार यादव द्वारा 9 जुलाई को मंडलायुक्त को भेजे गए शिकायती पत्र में आरोप लगाया गया है कि जिला प्रोबेशन अधिकारी के कार्यकाल में शासनादेशों की अनदेखी कर भर्ती प्रक्रिया को मनमाने तरीके से संचालित किया गया, जिससे पात्र अभ्यर्थियों के अधिकारों का हनन हुआ और सरकारी धन के दुरुपयोग की आशंका भी पैदा हुआ है। शिकायतकर्ता अभिषेक कुमार यादव की शिकायत पर हुई जांच में कई ऐसे तथ्य सामने आए हैं, जो पूरी चयन प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल खड़े करते हैं। जांच में पाया गया कि शासनादेशों की अनदेखी करते हुए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाई गई। इतना ही नहीं, जहां एक पद के लिए कम से कम पांच अभ्यर्थियों को अवसर देने का प्रावधान था, वहीं 174 आवेदनों के बावजूद कुछ पदों पर चुनिंदा लोगों को ही साक्षात्कार में शामिल किया गया। जांच रिपोर्ट का सबसे विस्फोटक खुलासा यह है कि जिस अभ्यर्थी का चयन जिला मैनेजरध्कोऑर्डिनेटर जैसे महत्वपूर्ण पद पर किया गया, उसके आवेदन से संबंधित आवश्यक अभिलेख तक उपलब्ध नहीं मिले। सवाल यह है कि जब आवेदन का रिकॉर्ड ही नहीं है, तो चयन किस आधार पर हुआ? क्या नियमों से ऊपर किसी की सिफारिश चल रही थी?।

हार गई योग्यता जीत गयी रिश्तेदारी–– जांच में यह भी सामने आया कि चयनित 10 अभ्यर्थियों में से 8 एक ही जाति से संबंधित हैं। यह तथ्य भर्ती प्रक्रिया की निष्पक्षता पर गंभीर संदेह पैदा करता है। आखिर क्या पूरे जिले में योग्य अभ्यर्थी केवल एक ही जाति में थे, या फिर चयन समिति ने मेरिट की जगह 'अपनों' को तरजीह दी?।

एडीएम ने कहा– पुनः समीक्षा कराइए, प्रशासन बोला– सब चंगा–– जांच अधिकारी ने अपनी रिपोर्ट में साफ लिखा कि चयन प्रक्रिया में पाई गई विसंगतियों के मद्देनजर चयन की पुनर्समीक्षा कराई जानी चाहिए। लेकिन रिपोर्ट आने के बाद प्रशासन की चुप्पी कई सवाल खड़े कर रही है। यदि जांच सही है तो कार्रवाई क्यों नहीं? और यदि कार्रवाई नहीं करनी थी तो फिर जांच कराई ही क्यों गई?।

अब मंडलायुक्त के दरबार में पहुंचा मामला––

जांच रिपोर्ट के बाद भी कार्रवाई न होने से नाराज शिकायतकर्ता अभिषेक कुमार यादव ने मंडलायुक्त गोरखपुर को शिकायती पत्र भेजकर पूरी चयन प्रक्रिया निरस्त करने, दोषी अधिकारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज कराने तथा विवादित भुगतान की रिकवरी कराने की मांग की है।

स्कूल में मार पीट के बाद ग्रामीणों ने प्रधानाध्यापक को हटाने की मांग बी ई ओ ने की जाँच

गोरखपुर। सहजनवां पाली ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय पट्टी धर्मदास में गुरुवार को हुई प्रधानाध्यापिका और सहायक अध्यापक के बीच झड़प के बाद शुक्रवार को शिक्षा विभाग की टीम हरकत में आई। खंड शिक्षा अधिकारी कुंवर विक्रम पांडेय विद्यालय पहुंचे और पूरे प्रकरण की गहन जांच की। बीईओ ने ग्रामीणों, अभिभावकों, शिक्षकों, पीड़ित सहायक अध्यापक डॉ. पुष्पेंद्र सिंह और आरोपित प्रधानाध्यापिका सरोज गौतम से अलग–अलग बातचीत कर घटना की जानकारी ली। साथ ही विद्यालय के दस्तावेजों का भी अवलोकन किया।जांच के दौरान ग्रामीणों ने प्रधानाध्यापिका की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए उन्हें तत्काल विद्यालय से हटाने की मांग की। हरिश्चंद्र शर्मा, रामबरन प्रजापति, हरिकेश यादव, भोलू शुक्ला, रमाकांत गौड़, नीरज यादव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने कहा कि स्कूल का शैक्षिक माहौल खराब हो रहा है और बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है।सहायक अध्यापक डॉ. पुष्पेंद्र सिंह ने आरोप लगाया कि पीटीएम के बाद अभिभावकों से फीडबैक लेने के दौरान उनके साथ मारपीट की गई और जान से मारने की धमकी भी दी गई। वहीं प्रधानाध्यापिका सरोज गौतम ने सभी आरोपों को निराधार बताया।जांच में शिक्षामित्र गोपाल दुबे, कुसुम शुक्ला, चंद्रकला दुबे और अन्य अभिभावकों ने भी बयान दर्ज कराए। बीईओ कुंवर विक्रम पांडे ने कहा कि मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है। सभी पक्षों के बयान और तथ्यों के आधार पर रिपोर्ट तैयार कर उच्चाधिकारियों को भेजी जाएगी। जांच में जो भी सामने आएगा, उसके अनुसार नियमानुसार कार्रवाई होगी।फिलहाल इस विवाद को लेकर पूरे क्षेत्र में चर्चा है और ग्रामीण शिक्षा विभाग से शीघ्र कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

जल जीवन मिशन से बदल रही है गांवो की तस्वीर, पडखोरी में आयोजित जल चौपाल में ग्रामीणों ने साझा किया साकारात्मक अनुभव

कुशीनगर,। जनपद के कप्तानगंज विकास खण्ड के ग्राम पंचायत पडखोरी में जल जीवन मिशन के अंतर्गत निर्मित ग्रामीण पेयजल योजना परिसर में जल चौपाल एवं जल अर्पण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश जल निगम ग्रामीण गोरखपुर क्षेत्र के मुख्य अभियंता वी.पी. सिंह ने ग्रामीणों से संवाद स्थापित कर शुद्ध पेयजल की उपलब्धता, योजना के संचालन एवं जल संरक्षण के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन फेज–2 के अंतर्गत पडखोरी ग्राम पंचायत पेयजल योजना के निर्माण कार्य कार्यदायी संस्था मेसर्स. एन.सी.सी. लिमिटेड के माध्यम से पूर्ण कराया गया है। योजना के तहत एक नलकूप सोलर पंपिंग प्लांट सहित, 175 किलोलीटर क्षमता का 16 मीटर स्टेजिंग वाला एक उच्च जलाशय, एक पंप हाउस, बाउंड्रीवॉल एवं गेट, 5.70 किलोमीटर लंबी वितरण पाइप लाइन तथा 272 गृह जल संयोजन स्थापित किए गए हैं। योजना के सभी प्रस्तावित कार्य पूर्ण हो चुके हैं और नियमित रूप से ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। जल चौपाल के दौरान मुख्य अभियंता ने ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल के महत्व, जल संरक्षण एवं जल के विवेकपूर्ण उपयोग के प्रति जागरूक किया। उन्होंने ग्रामीणों से पेयजल आपूर्ति की गुणवत्ता एवं नियमितता के संबंध में फीडबैक भी प्राप्त किया। ग्रामीणों ने बताया कि योजना के माध्यम से उन्हें नियमित रूप से शुद्ध पेयजल मिल रहा है। जिससे उनके स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं जीवन शैली में उल्लेखनीय सकारात्मक परिवर्तन आया है। ग्राम प्रधान एवं ग्रामीणों ने सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना के लिए आभार व्यक्त किया। मुख्य अभियंता ने बताया कि कुशीनगर जनपद में जल जीवन मिशन के फेज–2 एवं फेज–3 के अंतर्गत 453 ग्रामीण पेयजल योजनाओं पर कार्य प्रगति पर है। इन योजनाओं के माध्यम से 667 ग्राम पंचायतों के 904 राजस्व ग्रामों में कुल 3,34,718 गृह जल संयोजन उपलब्ध कराए जाने का लक्ष्य निर्धारित है। इसके लिए 454 ट्यूबवेल पंपिंग प्लांट सहित, 454 पंप हाउस, 454 उच्च जलाशय तथा 6,448 किलोमीटर वितरण पाइप लाइन का निर्माण प्रस्तावित है। वर्तमान तक 454 ट्यूबवेल, 442 पंप हाउस, 250 उच्च जलाशय तथा 6,252 किलोमीटर पाइप लाइन का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। जबकि शेष कार्य निर्धारित समय सीमा में पूर्ण किए जा रहे हैं। उन्होंने ग्रामीणों से अपील किया कि पेयजल आपूर्ति से संबंधित किसी भी समस्या अथवा शिकायत के निस्तारण तथा ग्रामीण पेयजल योजनाओं की जानकारी प्राप्त करने के लिए जल सारथी ऐप का अधिकाधिक उपयोग करें। कार्यक्रम में अधिशासी अभियंता सुनील कुमार, संबंधित सहायक अभियंता, अवर अभियंता, कार्यदायी संस्था मेसर्स. एन.सी.सी. लिमिटेड के प्रतिनिधि, डीपीएमयू एवं टीपीआईए के प्रतिनिधि, ग्राम प्रधान रविन्द्र कुमार यादव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

मैरिज हाल में युवक का शव फंदे से लटका मिला, पत्नी को भेजा था अंतिम वीडियो

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर जिले के मिश्रौलिया थाना क्षेत्र स्थित भैसाही गांव के मेजबान गार्डन मैरिज हॉल में गुरुवार दोपहर एक 27 वर्षीय युवक का शव फंदे से लटका मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान सचिन विश्वकर्मा (27 वर्ष) पुत्र अमरनाथ विश्वकर्मा, निवासी शंकरगढ़ गांव के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि सचिन ने करीब पांच वर्ष पहले अंशु विश्वकर्मा से प्रेम विवाह किया था। दंपति की तीन वर्षीय पुत्री बनिष्का है। परिवार पिछले लगभग दो महीने से मेजबान गार्डन मैरिज हॉल में किराये पर रह रहा

था। प्राप्त जानकारी के अनुसार, घटना के समय पत्नी बढ़या चौराहे पर बाजार गई हुई थी। इसी दौरान सचिन ने कथित तौर पर गले में रस्सी डालकर एक वीडियो पत्नी को भेजा, जिसमें उसने अपनी जान देने की बात कही। वीडियो देखते ही पत्नी तत्काल मैरिज हॉल पहुंची, लेकिन तब तक सचिन ऊपर की मंजिल के एक कमरे में पंखे से नायलॉन की रस्सी के सहारे लटका मिला। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जुट गई। सूचना पर मिश्रौलिया थाना प्रभारी मनोज कुमार श्रीवास्तव पुलिस बल के साथ पहुंचे। पुलिस ने शव को नीचे उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फोरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया है। पुलिस का कहना है कि मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

निषादराज बोट सब्सिडी योजना के लिए आवेदन प्रक्रिया पुनः शुरू, 24 जुलाई तक का समय

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। स्थानीय स्तर पर मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मत्स्य विभाग, सिद्धार्थनगर ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। सहायक निदेशक मत्स्य द्वारा दी गई आधिकारिक सूचना के अनुसार, 'निषादराज बोट सब्सिडी योजना' के अंतर्गत लाभार्थियों को अधिक से अधिक अवसर प्रदान करने के लिए विभागीय पोर्टल को पुनः खोला गया है। आवेदकों के लिए आवश्यक दिशा–निर्देशरू आवेदन की समय–सीमाः इच्छुक उम्मीदवार अब 09 जुलाई 2026 से 24 जुलाई 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन स्थलरू समस्त आवेदन प्रक्रिया विभागीय पोर्टल http://fisheries-up-gov-पद पर ऑनलाइन संपन्न की जाएगी। घ्पूर्व आवेदकों के लिए राहतरू यदि पिछले वर्षों में किसी आवेदक का आवेदन किन्हीं कारणों से निरस्त हो गया था या प्रतीक्षा सूची में था, तो उन्हें पुनः आवेदन करने का एक और मौका दिया गया है। घविस्तृत जानकारीरू योजना से जुड़ी परियोजना का विवरण, इकाई लागत, आवश्यक दस्तावेजों की सूची तथा आवेदन की प्रक्रिया वेबसाइट पर उपलब्ध है। र्यालय से संपर्करू किसी भी कार्य दिवस के दौरान विकास भवन, सिद्धार्थनगर स्थित सहायक निदेशक मत्स्य कार्यालय में जाकर विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है। घविभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि भविष्य में यदि योजना के प्रावधानों में कोई संशोधन किया जाता है, तो वही संशोधित नियम लागू होंगे।

सांड के आतंक से दहशत में थे ग्रामीण, चार घंटे के रेस्क्यू के बाद पकड़ा गया

दैनिक बुद्ध का संदेश

खोसरहा। खोसरहा विकासखंड की ग्राम पंचायत छितही में पिछले कई दिनों से एक खूंखार छुट्टा सांड ग्रामीणों के लिए आतंक का पर्याय बना हुआ था। प्रशासन, पशु चिकित्सा विभाग और ग्रामीणों के संयुक्त प्रयास से करीब चार घंटे के रेस्क्यू अभियान के बाद सांड को सुरक्षित पकड़कर आदर्श नगर पालिका परिषद बांसीं की गोशाला भेज दिया गया, जिससे ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। बताया गया कि कुछ दिन पहले इसी सांड ने गांव निवासी गया प्रसाद पर हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया था। हमले में उनका एक हाथ और सीने की हड्डी टूट गई थी, जिनका उपचार अभी भी जारी है। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल था और लोग अकेले निकलने से भी डरने लगे थे। ग्रामीण हरिशंकर मिश्र ने सांड को पकड़वाने के लिए आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई

थी। पहली शिकायत के निस्तारण के बावजूद सांड गांव में घूमता रहा। दूसरी बार शिकायत दर्ज होने पर प्रशासन सक्रिय हुआ और तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए। ग्राम पंचायत सचिव जितेंद्र कुमार सिंह के नेतृत्व में टीम गांव पहुंची। पशु चिकित्सक डॉ. अरुण कुमार अपनी टीम के साथ मौके पर मौजूद रहे। करीब चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद सांड को सुरक्षित काबू में कर लिया गया। इसके बाद आदर्श नगर पालिका परिषद बांसीं की कैटल कैचर टीम ने उसे गोशाला पहुंचाया। ग्राम पंचायत सचिव जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि सांड को सुरक्षित गोशाला भेज दिया गया है, जिससे ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली है। इस अभियान में शिवप्रसाद मिश्र, घनश्याम विश्वकर्मा, मानदेव, परशुराम, बिशम्भर मिश्र, राजकुमार मिश्र, सतीश मिश्र सहित कई ग्रामीणों ने सहयोग किया। ग्रामीणों ने प्रशासन से क्षेत्र में घूम रहे अन्य छुट्टा पशुओं को भी जल्द पकड़वाने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो सके।

खेसरहा में लाखों से बना सामुदायिक शौचालय बना शोपीसः ग्रामीणों को नहीं मिल रही सुविधा

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा। खेसरहा में स्वच्छ भारत मिशन के तहत ग्राम पंचायत बनौली में लाखों रुपये की लागत से निर्मित सामुदायिक शौचालय देखरेख और संचालन के अभाव में अनुपयोगी बना हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि यह शौचालय केवल शोपीस बनकर रह गया है, जिससे सरकार की महत्वाकांक्षी योजना का उद्देश्य पूरा नहीं हो पा रहा है। ग्रामीणों के अनुसार, इस सामुदायिक शौचालय का निर्माण पूर्व ग्राम प्रधान के कार्यकाल में हुआ था। हालांकि, निर्माण के बाद इसकी नियमित देखरेख के लिए किसी केयरटेकर की नियुक्ति नहीं की गई। इसी कारण शौचालय का संचालन ठप हो गया है और ग्रामीण इसका लाभ

नहीं उठा पा रहे हैं। लोगों का कहना है कि लाखों रुपये खर्च होने के बावजूद यह सुविधा बंद है, जिससे सरकारी धन का उचित उपयोग नहीं हो रहा है। गांव के वेद प्रकाश ने बताया कि शौचालय बनने के बाद कुछ समय तक सुविधा मिलने की उम्मीद थी, लेकिन अब यह उपयोग में नहीं है। बबलू का कहना है कि शौचालय बंद होने के कारण लोगों को अन्य विकल्प तलाशने पड़ते हैं। हर्षित ने कहा कि यदि नियमित सफाई और देखरेख होती, तो यह ग्रामीणों के लिए उपयोगी साबित होता। रीता ने बताया कि महिलाओं को स्वच्छ शौचालय की सबसे अधिक आवश्यकता होती है, और सुविधा बंद होने से उन्हें परेशानी हो रही है। इस संबंध में, ग्राम प्रधान विंध्यवासिनी के प्रतिनिधि विकास त्रिपाठी ने बताया कि सामुदायिक शौचालय की व्यवस्था को सुचारु करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग से समन्वय स्थापित कर जल्द ही आवश्यक कदम उठाए जाएंगे, ताकि ग्रामीणों को इसका लाभ मिल सकेद्य ग्रामीणों का कहना है कि सरकार बुनियादी सुविधाओं पर करोड़ों रुपये खर्च कर रही है, लेकिन यदि रखरखाव और संचालन समय पर न हो तो ऐसी योजनाएं केवल कागजों तक सीमित रह जाती हैं। उन्होंने सामुदायिक शौचालय को जल्द चालू कराने और नियमित देखरेख की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है।

सांकेतिक भाषा व स्मार्ट तकनीक से बदलेगी दिव्यांग बच्चों के पढ़ाई के आयाम

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका बाजार। समावेशी शिक्षा शाखा की पहल पर डिजिटल तकनीक अब उन बच्चों के जीवन

में नई रोशनी लेकर आएगी, पढ़ने–लिखने में कठिनाई हो रही थी। इसके माध्यम से एनसीईआरटी की पुस्तकों में दिए गए क्यूआर कोड के माध्यम से साइन लैंग्वेज का वीडियो दिखाकर बच्चों को पढ़ाया जाएगा। यह अभिनव प्रयोग सिद्धार्थनगर में पहली बार होने जा रहा है। बता दें कि श्रवणबाधित बच्चों के सामने प्राथमिक कक्षाओं के बाद भाषा सबसे बड़ी बाधा बन जाती थी। सामान्य कक्षाओं में कुछ बच्चे पढ़ लेते थे, लेकिन उच्च कक्षाओं में साइन लैंग्वेज ही उनके लिए सबसे प्रभावी माध्यम साबित होगी। लंबे समय से इस दिशा में प्रयास तो हो रहे थे, मगर नियमित कक्षा शिक्षण में अपेक्षित सफलता नहीं मिल पा रही थी। समग्र शिक्षा के डीसी करुणपति त्रिपाठी ने बताया कि 2025–26 की एनसीईआरटी पुस्तकों का अध्ययन किया, जिसमें प्रत्येक पाठ के साथ क्यूआर कोड आधारित साइन लैंग्वेज वीडियो उपलब्ध थे। इस सत्र में लागू करने हेतु समस्त विशेष शिक्षकों को निर्देशित किया गया, उनकी तरफ से समस्त शिक्षकों से भी यह अनुरोध किया जा रहा कि श्रवणबाधित बच्चों को पढ़ाने के लिए पाठ्यपुस्तक में दिए गए क्यूआर कोड का उपयोग करें। इससे बच्चों की न केवल वार्ता कौशल बेहतर होगी, बल्कि पाठ्यवस्तु की समझ और परीक्षा परिणाम भी सुधरेंगे। जिले के उन सभी विद्यालयों में यह व्यवस्था लागू की जाएगी, जहां श्रवणबाधित विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। स्पेशल एजुकेटर और विद्यालयी शिक्षक मिलकर स्मार्ट टीवी, टैबलेट व मोबाईल फोन के माध्यम से क्यूआर कोड स्कैन कर बच्चों को साइन लैंग्वेज वीडियो से पढ़ाएंगे। स्पेशल एजुकेटर दिव्यांग बच्चों को वीडियो की भाषा सांझाएंगे, फिर शिक्षक प्रतिदिन उसका अभ्यास कराकर अधिगम को मजबूत करेंगे।

बिजली बिलों के विरोध में भिनगा में किसानों का उग्र प्रदर्शन, सड़क जाम

दैनिक बुद्ध का संदेश

भिनगा / श्रावस्ती। बिजली बिलों में कथित गड़बड़ी के विरोध में भारतीय किसान यूनियन के बैनर तले सैकड़ों किसान शुक्रवार को सड़क पर उतर आए। जिलाध्यक्ष राम स्वरूप वर्मा के नेतृत्व में किसानों ने बिजली विभाग के खिलाफ

जमकर नारेबाजी की और सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान किसानों और पुलिस के बीच हल्की नोकझोंक भी हुई। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि कई गांवों में बिजली के पोल और तार तक नहीं लगे हैं, फिर भी उपभोक्ताओं को भारी–भरकम बिजली बिल भेजे जा रहे हैं। किसानों ने गलत बिलिंग और मीटर संबंधी अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। आंदोलन के दौरान प्रदर्शनकारियों ने एक्सईएन (ग्म्छ) भिनगा को अपने बीच बैठाकर विरोध जताया। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और किसानों को समझाकर स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। यह पूरा मामला श्रावस्ती जिला मुख्यालय स्थित भिनगा बिजली पावर हाउस का है। भारी बिजली बिलों पर भड़के किसान, भिनगा में सड़क जाम बिजली विभाग के खिलाफ किसानों का हल्लाबोल भिनगा में ठज्ञ का उग्र प्रदर्शन, पुलिस से नोकझोंक गलत बिजली बिलों पर किसानों का विरोध, जांच की मांग की है।

खेसरहा में लाखों का आरआरसी सेंटर बना शोपीसः मरवटिया बाजार में ठोस कचरे का नहीं हुआ वैज्ञानिक निस्तारण

दैनिक बुद्ध का संदेश

खोसरहा। खोसरहा विकासखंड स्थित मरवटिया बाजार ग्राम पंचायत में स्वच्छ भारत मिशन के तहत लाखों रुपये की लागत से बना रिसोर्स रिकवरी सेंटर (आरआरसी) शोपीस बनकर रह गया है। ठोस कचरे के वैज्ञानिक निस्तारण के उद्देश्य से निर्मित यह केंद्र आज तक संचालित नहीं हो

सका है। केंद्र भवन पर न तो पेंटिंग कराई गई है और न ही इसका नाम और उद्देश्य अंकित है। ग्रामीणों के अनुसार, यह योजना उनके लिए श्हाथी के दांत दिखाने के और, खाने के औरश जैसी साबित हो रही है, क्योंकि इसका वास्तविक लाभ उन्हें नहीं मिल पा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि प्रशासनिक लापरवाही और जनप्रतिनिधियों की उदासीनता के कारण यह योजना धरातल पर विफल हो गई है। गांव में आज भी कचरा इधर–उधर फेंका जा रहा है, जबकि उसके निस्तारण के लिए बना आरआरसी सेंटर वीरान पड़ा है। ग्रामीण साहिल, चंद्र प्रकाश, राम प्रसाद और सविता ने बताया कि आरआरसी सेंटर बनने के बाद गांव में सफाई व्यवस्था सुधरने की उम्मीद थी। हालांकि, आज तक यहां कचरा एकत्र करने या उसके वैज्ञानिक निस्तारण की कोई व्यवस्था शुरू नहीं हुई है, जिससे सरकारी धन का उपयोग नहीं हो पा रहा है। ग्राम प्रधान विमलावती के प्रतिनिधि धर्मेंद्र जायसवाल ने कहा कि केंद्र को पूरी तरह संचालित कराने और आवश्यक व्यवस्थाएं शुरू कराने के लिए संबंधित अधिकारियों से मांग की जाएगी, ताकि इसका मूल उद्देश्य पूरा हो सके। लाखों रुपये खर्च कर बनाई गई इस स्वच्छता परियोजना का उपयोग न होने से सरकारी योजनाओं के लाभ को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं।

खेसरहा पुलिस की प्रभावी पैरवी से गैर इरादतन हत्या के दोषी को 10 साल की सजा

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा। ष्ऑपरेशन कन्विक्शनष अभियान के तहत खेसरहा थाना पुलिस की प्रभावी पैरवी से गैर इरादतन हत्या के एक आरोपी को न्यायालय ने 10 वर्ष के कठोर कारावास और 10 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देशन में अपराधियों को सजा दिलाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत वाद संख्या–84 / 2025 एवं मुकदमा अपराध संख्या–234 / 2024, धारा 105 बीएनएस थाना खेसरहा की सुनवाई अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश कक्ष संख्या–01 सिद्धार्थनगर में हुई। न्यायाधीश मोहम्मद रफी ने मामले में अभियुक्त आत्माराम लोधी पुत्र स्वर्गीय बाबूराम लोधी निवासी कोटिया पाण्डेय, थाना खेसरहा को दोषी पाते हुए 10 वर्ष के कठोर कारावास और 10 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई। मामले में जिला मॉनिटरिंग सेल, अपर जिला शासकीय अधिवक्ता चन्द्र प्रकाश पाण्डेय तथा न्यायालय पैरोकार मुख्य आरक्षी राजेश्वर चन्द्र, थाना खेसरहा की प्रभावी पैरवी और सराहनीय योगदान रहा। पुलिस अधिकारियों ने इसे ष्ऑपरेशन कन्विक्शनष के तहत एक

सोनौली का जाम हुआ विकरालरू ट्रकों के बीच फंसी स्कूल बस, मासूमों की सुरक्षा पर बड़ा सवाल

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनौली / महराजगंज। भारत–नेपाल सीमा से सटे सोनौली कस्बे में शुक्रवार को एक बार फिर भीषण जाम ने आमजन के साथ–साथ स्कूली बच्चों की मुश्किलें बढ़ा दीं। जाम इतना विकराल था कि स्कूल बसें भी घंटों

तक ट्रकों और भारी वाहनों के बीच फंसी रहीं। वायरल हो रही तस्वीर में एक स्कूल बस, जेसीबी और मालवाहक ट्रक चौराहे पर जाम में फंसे दिखाई दे रहे हैं, जिससे यातायात पूरी तरह प्रभावित हो गया। सुबह के समय स्कूल जाने वाले बच्चों को लंबे समय तक जाम में इंतजार करना पड़ा। कई अभिभावकों ने चिंता जताते हुए कहा कि भारी वाहनों के बीच फंसी स्कूल बसें बच्चों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन सकती हैं। बरसात और उमस के मौसम में बसों के भीतर बैठे बच्चों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सोनौली में ट्रकों की अव्यवस्थित आवाजाही, ओवरलोड वाहनों का दबाव और प्रभावी ट्रैफिक प्रबंधन की कमी के कारण आए दिन जाम की स्थिति बनती है। सबसे अधिक परेशानी स्कूली बच्चों, मरीजों और सीमा पार आने–जाने वाले यात्रियों को उठानी पड़ रही है।

मखाना की उन्नत खेती का प्रशिक्षण लेने दरभंगा जाएंगे कुशीनगर के किसान

कुशीनगर। जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्य विकास अधिकारी वंदिता श्रीवास्तव की अध्यक्षता में कृषि तकनीकी प्रबंधन अभिकरण, आत्मा के गवर्निंग बोर्ड तथा जिला भूमि एवं जल संरक्षण समिति की विभिन्न योजनाओं की एक्जीक्यूटिव कमेटी की वित्तीय वर्ष 2026–27 की बैठक संपन्न हुई। बैठक में कृषि एवं संबद्ध विभागों की विभिन्न योजनाओं की समीक्षा करते हुए किसानों को अधिकाधिक लाभान्वित करने पर जोर दिया गया। बैठक की शुरूआत पिछली बैठक की कार्यवाही की पुष्टि एवं प्रगति आख्या प्रस्तुत किए जाने से हुई।इसके उपरांत चूहा नियंत्रण अभियान, फार्मर रजिस्ट्री एवं विभिन्न कृषि योजनाओं की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्य विकास अधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन, उत्तर प्रदेश श्री अन्न, मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्रम, नेशनल मिशन ऑन एडिबल ऑयल, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन, मिशन फॉर आत्म निर्भरता इन पल्सेस तथा नेशनल मिशन ऑन सॉइल हेल्थ एंड फर्टिलिटी सहित सभी योजनाओं का लाभ जनपद के प्रत्येक विकास खंड के किसानों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जाए। उन्होंने विशेष रूप से युवा कृषकों को कृषि आध ारित उद्यमों से जोड़ने के लिए आवश्यक प्रयास करने के निर्देश दिया। बैठक में प्रगतिशील कृषक पारसनाथ सिंह ने किसानों को भारतीय गेहूं एवं जौ अनुसंधान संस्थान करनाल हरियाणा तथा राष्ट्रीय मखाना अनुसंधान केंद्र, दरभंगा बिहार के अध्ययन भ्रमण पर भेजे जाने का सुझाव दिया। इस पर मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिया कि जनपद के सभी विकास खंडों से कृषकों का चयन कर उन्हें अध्ययन भ्रमण पर भेजा जाए। जिससे वे आधुनिक कृषि तकनीकों एवं मखाना की उन्नत खेती का प्रशिक्षण प्राप्त कर सकें। बैठक में मुख्य पशु चिकित्साधि ाकारी, अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत, उप कृषि निदेशक, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी, जिला कृषि अधिकारी, उपायुक्त उद्योग, जिला उद्यान अधिकारी, जिला गन्ना अधि ाकारी, अधिशासी अभियंता सिंचाई खंड प्रथम, सहायक निदेशक मत्स्य, जिला प्रबंधक इफको, कृषि विज्ञान केंद्र सरगटिया के प्रधान वैज्ञानिक, गन्ना प्रजनन एवं अनुसंध ाान संस्थान के प्रभारी अधिकारी, सचिव कृषि उत्पादन मंडी समिति, विषय वस्तु विशेषज्ञ, सलाहकार एनएफएसएम सहित कृषि विभाग के अधिकारी एवं प्रगतिशील कृ षक उपस्थित रहे।

फरार वारंटी दुर्गेश मौर्या गिरफ्तार, सोनौली पुलिस ने न्यायालय भेजा।

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनौली / महराजगंज। पुलिस अधीक्षक शक्ति मोहन अवस्थी के निर्देशन में वारंटियों की गिरतारी के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सोनौली पुलिस ने एक फरार वारंटी को गिरतार कर न्यायालय भेज दिया। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक महेंद्र

कुमार मिश्र के नेतृत्व में पुलिस टीम ने गुरुवार देर रात ग्राम हरदी डाली निवासी दुर्गेश मौर्या (35) पुत्र राजेंद्र मौर्या को उसके आवास से गिरतार किया। पुलिस के अनुसार, आरोपी के विरुद्ध न्यायालय से वारंट जारी था और वह काफी समय से गिरतारी से बच रहा था। गिरतार वारंटी के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करने के बाद पुलिस ने उसे माननीय न्यायालय, महराजगंज के समक्ष पेश कर दिया। गिरतारी अभियान में उपनिरीक्षक अभिषेक जायसवाल एवं कांस्टेबल बृजेश कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस का कहना है कि फरार वारंटियों और वांछित अभियुक्तों के विरुद्ध अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

सम्पादकीय

यदि संपन्न वर्ग, अधिकारियों के बच्चे और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चे एक साथ सरकारी स्कूलों में पढ़ रहे होते तो शिक्षा जगत में आज व्याप्त गहरी विसंगति की खाई दूर हो जाती। हमारे तंत्र द्वारा सरकारी स्कूलों में सुविधाएं उपलब्ध कराने के प्रति उदासीनता दिखाने, शिक्षकों को गाहे–बगाहे गैर शैक्षिक कार्यों में लगाने और समय रहते पर्याप्त शिक्षकों की नियुक्ति न करने से ...

निजी स्कूलों का सम्मोहन फिक्र की बात

तमाम विसंगतियों, संसाधनों की कमी, शिक्षकों का पर्याप्त संख्या में न होना तथा समय के साथ कदमताल न कर पाने वाले सरकारी स्कूलों से छात्रों का मोहभंग होना बड़ी चिंता का विषय बना हुआ है। देशभर में स्कूलों में मूलभूत सुविधाओं, छात्रों के प्रवेश व शिक्षकों के आंकड़ों पर नजर रखने वाले केंद्र के आंकड़ों से पुष्टि हुई कि छात्र सरकारी स्कूलों के विमुख हो रहे हैं और लगातार निजी स्कूलों की ओर रुख कर रहे हैं। आंकड़े बताते हैं कि बीते दो सालों में लगभग 86 लाख छात्र सरकारी स्कूल छोड़कर चले गए। वहीं इसी दौरान प्राइवेट तथा बिना सरकारी मदद वाले मान्यता प्राप्त स्कूलों में 88 लाख नए छात्र शामिल हुए हैं। 'यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इंफॉर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन प्लस' के अनुसार शुरुआती कक्षा से सेकेंडरी स्तर तक स्कूल में दाखिले में कमी देखी गई है। जो संख्या साल 2023–24 के 24.8 करोड़ से घटकर साल 2025–26 में 24.72 करोड़ हो गई है। वहीं दूसरी ओर सरकारी स्कूलों में दाखिले तेजी से घटकर 12.75 करोड़ से 11.89 करोड़ हो गए हैं। वैसे ये आंकड़े यह भी बताते हैं कि तमाम कमियों और घटती लोकप्रियता के बावजूद सरकारी स्कूल ज्यादतर लोगों की पहली पसंद बने हुए हैं। निस्संदेह, ऐसे में सरकारों की जिम्मेदारी बढ़ जाती है कि सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता सुधारने के लिये गंभीर प्रयास किए जाएं। यह हकीकत है कि जमीनी स्थिति के आधार पर कहा जा सकता है कि अभी तक अच्छी शिक्षा की गुणवत्ता का वायदा पूरा नहीं हो पाया है। हाल ही में सामने आए आंकड़ों का एक सकारात्मक पक्ष यह है कि सेकेंडरी स्तर पर स्कूल छोड़ने वालों की संख्या में कुछ कमी जरूर आई है। वहीं दूसरी ओर शून्य दाखिले वाले स्कूलों की संख्या 12,954 से घटकर 5,663 हो गई है। इसके साथ ही एक शिक्षक वाले स्कूलों की संख्या 1.11 लाख से घटकर 1.01 लाख हो गई है। दूसरी तरफ अब शिक्षकों की कुल संख्या 1.03 करोड़ है, जिसके चलते छात्र–शिक्षक अनुपात 25 से घटकर 24 हो गया है। वहीं लड़कियों की भागीदारी भी बढ़कर 48.4 होना उत्साहवर्धक कहा जा सकता है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि स्कूलों में दिव्यांग छात्रों के लिये संरचनात्मक सुविधाएं, छात्राओं के लिये शौचालय, हाथ धोने तथा पीने के पानी की व्यवस्था में उत्साहजनक सुधार हुआ है। हालांकि, जमीनी स्तर पर दावों की हकीकत तार्किक कसौटी पर खरी उतरनी चाहिए। सही मायने में किसी सुविधा का उपलब्ध होना और उसका सही तरीके से इस्तेमाल होना दो अलग चीजें हैं। लेकिन देश के नीति–नियंताओं को समझना चाहिए कि समाज में जिस वर्ग को शिक्षा की अधिक आवश्यकता है, वही सरकारी स्कूलों पर अधिक निर्भर है। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग भी अपनी मजबूरी के चलते सरकारी स्कूलों की ओर रुख करता है। इसके बावजूद कि सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता को लेकर गाहे–बगाहे सवाल उठाए जाते रहे हैं। सवाल यह भी है कि जब आजादी के बाद संविधान निर्माताओं ने हर बच्चे को अनिवार्य रूप से निरूशुल्क शिक्षा उपलब्ध कराने को कहा था तो आजादी के बाद के शुरुआती दशकों में शिक्षा के ये लक्ष्य हासिल क्यों नहीं किए गए? यदि तब केंद्र व राज्य सरकारों ने सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता सुधारने के लिये ईमानदार प्रयास किए होते और पर्याप्त वित्तीय साधन उपलब्ध कराये होते तो आज लोगों को सरकारी स्कूलों से मोहभंग न हो रहा होता। यदि संपन्न वर्ग, अधिकारियों के बच्चे और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चे एक साथ सरकारी स्कूलों में पढ़ रहे होते तो शिक्षा जगत में आज व्याप्त गहरी विसंगति की खाई दूर हो जाती। हमारे तंत्र द्वारा सरकारी स्कूलों में सुविधाएं उपलब्ध कराने के प्रति उदासीनता दिखाने, शिक्षकों को गाहे–बगाहे गैर शैक्षिक कार्यों में लगाने और समय रहते पर्याप्त शिक्षकों की नियुक्ति न करने से स्थितियां विकट हुई हैं। यह विडंबना ही कही जाएगी कि सत्तर के दशक में शिक्षा के उन्नयन के लिये गठित कोठारी आयोग की वह सिफारिश आज भी धूल फांक रही है, जिसमें शिक्षा पर देश के जीडीपी का छह प्रतिशत खर्च करने का सुझाव दिया गया था। आर्थिक तंगी से सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता व साख पर आंच आई है।

सरकारी वार्षिक तैयारी पर हर बार बारिश भारी

बारिश के साथ नेताओं का निरीक्षण भी शुरू हो जाता है। वे घुटनों तक पानी में उतरकर निरीक्षण करते हैं। कैमरे उनके आगे–आगे चलते हैं और अधिकारी पीछे–पीछे। निरीक्षण समाप्त होते ही पानी वहीं रह जाता है, केवल कैमरे आगे बढ़ जाते हैं। हमारे यहां बारिश एक मौसम कम और सरकारी परीक्षा अधिक है। हर साल जून का महीना आते ही विभागों में ऐसी हलचल मचती है, मानो इस बार बादलों से पहले फाइलों की बरसात होनी हो। बैठकें शुरू हो जाती हैं, निर्देश जारी हो जाते हैं और अधिकारी आश्वस्त कर देते हैं कि इस बार पानी कहीं नहीं रुकेगा। मगर हर साल वही पानी उन्हीं जगहों पर रुककर सरकारी दावों की परीक्षा लेता है। नालों की सफाई का काम भी बड़ा दिलचस्प होता है। बरसात आने से ठीक पहले मशीनें निकलती हैं, फोटो खिंचते हैं और कुछ ट्रैक्टर गाद इधर से उधर कर देते हैं। सफाई इतनी व्यवस्थित होती है कि पहली तेज बारिश में वही गाद वापस नाले में पहुंच जाती है। मानो गाद और प्रशासन के बीच भी वर्षों पुरानी दोस्ती है। सड़कें भी बारिश का बेसब्री से इंतजार करती हैं। गर्मियों में जो सड़कें बिल्कुल स्वस्थ दिखाई देती हैं, पहली बारिश पड़ते ही उन्हें गड्ढों की पुरानी बीमारी याद आ जाती है। कुछ लोग कहते हैं कि गड्ढों में सड़क बनती है, लेकिन हमारे यहां सड़क में गड्ढे बनना ही विकास का सबसे स्थायी प्रमाण है। विभाग हर साल उनकी मरम्मत करता है और बारिश हर साल उसका ऑडिट। नगर निगम का दावा रहता है कि जलभराव नहीं होगा। बारिश का दावा रहता है कि देख लेना। अब तक जीत हमेशा बारिश की ही हुई है। नागरिक भी समझदार हो चुके हैं। वे मौसम विभाग की भविष्यवाणी से अधिक मोहल्ले के पुराने जलभराव वाले चौराहे पर भरोसा करते हैं। वहां पानी भर गया तो समझिए मानसून सक्रिय है। बारिश के साथ नेताओं का निरीक्षण भी शुरू हो जाता है। वे घुटनों तक पानी में उतरकर निरीक्षण करते हैं। कैमरे उनके आगे–आगे चलते हैं और अधिकारी पीछे–पीछे। निरीक्षण समाप्त होते ही पानी वहीं रह जाता है, केवल कैमरे आगे बढ़ जाते हैं। मीडिया भी अपना वार्षिक कार्यक्रम नहीं भूलता। हर चौनल पर एक संवाददाता कमर तक पानी में खड़ा होकर बताता है कि स्थिति गंभीर है। दर्शक सोचते हैं कि अगर संवाददाता हर साल उसी जगह खड़ा मिलता है, तो स्थिति वास्तव में स्थायी है। सबसे आशावादी जीव हमारे सरकारी विभाग हैं। हर साल वे पूरे विश्वास से कहते हैंकृ 'इस बार पूरी तैयारी है।' और हर साल बारिश पूरे आत्मविश्वास से जवाब देती हैकृ 'मैं भी पिछले साल वाली ही हूं।' लगता है हमारे यहां मानसून का सबसे स्थायी चक्र बादलों का नहीं, तैयारियों का है। बारिश आती–जाती रहती है, लेकिन 'युद्धस्तर पर तैयारी' का मौसम कभी समाप्त नहीं होता। शायद इसी परंपरा को बनाए रखने के लिए हर साल कुछ नाले जाम रहते हैं, कुछ सड़कें टूटती हैं और कुछ वादे फिर से अगले मानसून तक सुरक्षित रख दिए जाते हैं।

सिंधु की धारा में मौन सिसकी की आहट

इसका सबसे अधिक प्रभाव सिंचाई, पेयजल और खाद्य सुरक्षा पर पड़ेगा। सिंधु बेसिन पहले ही विश्व के सर्वाधिक जल तनाव वाले नदी तंत्रों में शामिल है, और आगामी दशकों में यह संकट करोड़ों लोगों के अस्तित्व को दांव पर लगा सकता है। संयुक्त राष्ट्र ने इस संकट की गंभीरता को देखते हुए वर्ष 2025–2034 को 'क्रायोस्फेरिक साइंसेज के लिए कार्रवाई का दशक' घोषित किया है। सिंधु के संरक्षण के लिए...

अमरनाथ यात्रा इस समय अपने चरम पर है, लेकिन यात्रा के पहले ही हफ्ते में बर्फानी शिवलिंग के 60 प्रतिशत तक गल जाने के कारण श्रद्धालुओं को भारी निराशा का सामना करना पड़ा है। पवित्र बर्फीले शिवलिंग के नियत समय से पहले गलने की आवृत्ति और तीव्रता पिछले कुछ सालों में अप्रत्याशित रूप से बढ़ गई है। वास्तव में, यह संकट केवल बर्फानी बाबा तक सीमित नहीं है, बल्कि समूचे सिंधु नदी के जल संभरण (कैचमेंट) क्षेत्र में गहराई से पैर पसार चुका है। पर्यटकों और तीर्थयात्रियों की अत्यधिक भीड़, भारी निर्माण कार्यों से उड़ते धूल के गुबार और लाखों की संख्या में दौड़ते वाहनों के प्रदूषण ने इस ऐतिहासिक नदी के अस्तित्व को ही गंभीर संकट में डाल दिया है। सिंधु नदी, जिसने 'हिंदुस्तान' और 'इंडिया' को वैश्विक पहचान दी और 'सिंधु घाटी सभ्यता' को जन्म दिया, आज अपने अस्तित्व के सबसे गंभीर संकट में है। एशिया की यह जीवनदायिनी नदी करोड़ों लोगों की आजीविका और खाद्य सुरक्षा का आधार है। करीब 11 लाख वर्ग किलोमीटर में फैला यह बेसिन 'थर्ड पोल' का हिस्सा है। यहां के ग्लेशियर, जो सिंधु के 50 प्रतिशत जल प्रवाह का स्रोत हैं, तेजी से सिकुड़ रहे हैं। आईसीआईएमओडी की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2000 के बाद इस क्षेत्र में ग्लेशियरों के पिघलने की गति लगभग दोगुनी हो गई है। वर्ष 1990 से 2020 के बीच इस पूरे क्षेत्र ने अपने ग्लेशियर क्षेत्रफल का लगभग 12 प्रतिशत हिस्सा खो दिया। वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी के वैज्ञानिकों का कहना है कि अब सर्दियों की भारी बर्फबारी का समय बदल रहा

है। पहले जो हिमपात दिसंबर से फरवरी के बीच होता था, उसका बड़ा हिस्सा अब मार्च और अप्रैल में हो रहा है, जिससे ग्लेशियरों का प्राकृतिक पुनर्भरण लगातार कमजोर हो रहा है। सोनमर्ग से जोजिला दर्रे तक ऐसा प्रतीत होता है मानो पूरी सिंध घाटी धूल और धुएं की एक घनी चादर में लिपट गई हो। पर्यटकों के वाहनों की लंबी कतारें, यात्रा की रसद में जुटे बेतहाशा ट्रक, सैन्य बलों के काफिले और मेगा सड़क तथा सुरंग निर्माण परियोजनाओं में लगे भारी अर्थ–मूविंग वाहन प्रतिदिन हजारों की संख्या में इस अत्यंत संकरी और संवेदनशील घाटी से गुजरते हैं। इन वाहनों के पीछे उठते धूल के गुबार और डीजल का काला धुआं हवा के साथ सीधे ऊपर सदियों पुराने हिमनदों की ओर बढ़ते साफ दिखाई देते हैं। सोनमर्ग के निकटवर्ती थजीवास, मचोई और बालटाल के ऊपरी क्षेत्रों में मौजूद ग्लेशियरों की उजली बर्फीली सतह पर मटमैली परत नंगी आंखों से देखी जा सकती है। कदम–कदम पर होने वाले भूस्खलन वाहनों की आवाजाही के दौरान इस धूल को और बढ़ाते हैं।

विज्ञान का सीधा–सा नियम है कि स्वच्छ, सफेद बर्फ सूर्य के विकिरण का लगभग 80 से 90 प्रतिशत हिस्सा वापस अंतरिक्ष में परावर्तित कर देती है, जिसे अल्बीडो प्रभाव कहा जाता है। लेकिन जब इसी बर्फ की सतह पर धूल, डीजल वाहनों की कालिख या निर्माण कार्यों से उड़ने वाला ब्लैक कार्बन जम जाता है, तो बर्फ का परावर्तन गुण तेजी से घट जाता है। गहरे रंग की यह परत सूर्य की अधिक ऊष्मा को अवशोषित करने लगती है, जिससे बर्फ के पिघलने की गति सामान्य से 30 से 40 प्रतिशत तक अधिक तेज हो जाती है। कश्मीर की सिंधु नदी, जो आगे चलकर झेलम और अंततः सिंधु प्रणाली का प्रमुख हिस्सा बनती है, का उद्गम इन्हीं क्षेत्रों में है।

सिंधु बेसिन के ऊपरी क्षेत्रों, विशेषकर लद्दाख, सोनमर्ग और अमरनाथ यात्रा मार्ग में अनियंत्रित पर्यटन ने पर्यावरण पर दबाव डाल दिया है। लद्दाख जैसे शीत मरुस्थल की वहन क्षमता अत्यंत सीमित है, लेकिन वहां प्रतिवर्ष लगभग 5.5 से 6 लाख पर्यटक पहुंच रहे हैं, जबकि वहां की स्थायी आबादी मात्र तीन लाख के आसपास है। पर्यटन के चरम मौसम में प्रतिदिन हजारों डीजल वाहन संवेदनशील क्षेत्रों तक पहुंचते हैं, जिससे न केवल ठोस कचरे और प्लास्टिक का संकट बड़ा हुआ है, बल्कि जल स्रोतों पर भी दबाव पड़ रहा है। जिन क्षेत्रों में कभी प्राकृतिक झरनों का जल पूरे वर्ष उपलब्ध रहता था, वहां अब गर्मियों में पानी का संकट दिखाई देने लगा है। अमरनाथ यात्रा निस्संदेह भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का अभिन्न हिस्सा है, और सामरिक सुरक्षा के लिए ऑल–वेदर कनेक्टिविटी सुरंगें भी राष्ट्र की प्राथमिकता हैं। लेकिन क्या हिमालय जैसे अत्यंत संवेदनशील और युवा पहाड़ की धारण क्षमता का आकलन किए बिना यह सब अनियंत्रित रूप से होना चाहिए? वैज्ञानिक अब सिंधु नदी के भविष्य को लेकर 'पीक वाटर' की अवधारणा की चर्चा कर रहे हैं। शुरुआती दशकों में तेजी से पिघलने के कारण नदी में जल प्रवाह बढ़ता हुआ दिखाई देगा, जिससे बाढ़ की घटनाएं बढ़ेंगी। लेकिन जैसे–जैसे हिमनद पूरी तरह सिकुड़ जाएंगे, जल प्रवाह स्थायी रूप से घटने लगेगा। इसका सबसे अधिक प्रभाव सिंचाई, पेयजल और खाद्य सुरक्षा पर पड़ेगा। सिंधु बेसिन पहले ही विश्व के सर्वाधिक जल तनाव वाले नदी तंत्रों में शामिल है, और आगामी दशकों में यह संकट करोड़ों लोगों के अस्तित्व को दांव पर लगा सकता है। संयुक्त राष्ट्र ने इस संकट की गंभीरता को देखते हुए वर्ष 2025–2034 को 'क्रायोस्फेरिक साइंसेज के लिए कार्रवाई का दशक' घोषित किया है।

{ बहरहाल, हमारा भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। सबसे पुराना लोकतंत्र भी कहते हैं हम अपने भारत को। सबसे बड़ा या सबसे पुराना होना हमारी विशेषता हो सकती है, पर इससे यह प्रमाणित नहीं हो जाता कि हमारे लोकतंत्र में कोई कमी नहीं है। मुंबई उच्च न्यायालय के न्यायाधीश का यह कहना कि देश के नागरिकों को भारत सरकार का गुलाम बनाया जा रहा है और... }

विरोध करना जनतंत्र की सार्थकता की पहली शर्त

नागरिक का दायित्व और सरकार का कर्तव्य मिलकर ही लोकतांत्रिक व्यवस्था को सार्थक बना सकते हैं। लोकतांत्रिक सरकार से यह अपेक्षा की जाती है कि वह नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करेगी, उसके अधिकारों का हनन नहीं। शासन भले ही कोई भी चला रहा हो, पर जनतंत्र में असली शासक जनता ही होती है। जनता ही अपने वोट से शासन चलाने का अधिकार देती है या कहना चाहिए अवसर देती है। अब्राहम लिंकन ने जनतंत्र को परिभाषित करते हुए जनतांत्रिक सरकार को 'जनता की, जनता के लिए और जनता के द्वारा' बताया था। ऐसे में जनता के चुने हुए प्रतिनिधियों से इतनी अपेक्षा तो की ही जानी चाहिए कि वे अपने असली शासक को उचित सम्मान देंगे। जनता को अपने शासकों से यह पूछने का अधिकार है कि वे जो कर रहे हैं वह क्यों कर रहे हैं और यदि ऐसा लगता है कि चुनी हुई सरकार कुछ गलत कर रही है, तो इसके खिलाफ आवाज उठाने का पूरा अधिकार जनता को है। सच कहें तो इस तरह की निगरानी रखना जनता का अधिकार ही नहीं, कर्तव्य भी है। साथ ही यह भी ध्यान रखा जाना जरूरी है कि जनतांत्रिक व्यवस्था में निर्वाचित शासक राजा नहीं होता, और न ही जनता प्रजा होती है। जनता का यही अधिकार और कर्तव्य उसे चौकीदार की भूमिका निभाने का दायित्व भी देता है। इस चौकीदार से अपेक्षा की जाती है कि वह अपनी चुनी हुई सरकार के काम–काज पर नजर रखेगा और यदि कुछ गलत हो रहा है

तो न केवल उसे उजागर करेगा, बल्कि गलत के खिलाफ आवाज भी उठायेगादृ विरोध करना, गलत के खिलाफ प्रदर्शन करना हर जागरूक नागरिक का अधिकार है। इस अधिकार की रक्षा जनतांत्रिक व्यवस्था में जुड़ी सभी संस्थाओं, जिसमें पुलिस प्रमुख है, का कर्तव्य है। पर जब निर्वाचित प्रतिनिधि स्वयं को राजा समझने लगे और पुलिस यह समझने लगे कि वह जनता की नहीं, सरकार की सेवक है तो इसे जनतांत्रिक मूल्यों और आदर्शों के प्रतिकूल ही माना जायेगा। लेकिन, क्या ऐसा होता है? दुर्भाग्य से इस प्रश्न का उत्तर नकारात्मक है। हाल ही में यह सवाल मुंबई उच्च न्यायालय के एक कर्तव्यनिष्ठ न्यायाधीश ने उठाया था और स्वयं ही इसका उत्तर देते हुए उन्होंने कहा कि 'नागरिकों को मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री का सेवक समझना किसी भी दृष्टि से सही नहीं कहा जा सकता।' न्यायमूर्ति माधव जामदार एक नागरिक को तड़ीपार किये जाने के आदेश को चुनौती देने वाले मामले में टिप्पणी कर रहे थे। नागरिक का अपराध यह था कि उसने सरकार के काम की आलोचना की थी, सरकारी आदेश के विरोध में प्रदर्शन किया था। न्यायमूर्ति ने पुलिस की इस कार्रवाई की तीव्र आलोचना करते हुए जनतंत्र में नागरिक के अधिकारों का हवाला दिया और कड़े शब्दों में कहा, 'यह क्या चल रहा है, सारे नागरिकों को भारत सरकार का गुलाम बनाया जा रहा है... ताकि वे विरोध–प्रदर्शन भी न कर सकें!' जनतांत्रिक व्यवस्था में नागरिक के पास सबसे महत्वपूर्ण ताकतवर हथियार यही विरोध–प्रदर्शन करना है और उम्मीद की जाती है कि व्यवस्था नागरिक के इस अधिकार के प्रति सम्मान का भाव रखेगी। आजादी की लड़ाई के दौरान ही महात्मा गांधी ने सविनय अवज्ञा आंदोलन के माध्यम से देश की जनता को यह अहसास करा दिया था कि आने वाले भारत में नागरिक के पास यही एक कारगर हथियार होगा। संविधान में अभिव्यक्ति की आजादी के इस अधिकार को बहुत ही स्पष्ट रूप से समझा दिया गया है। सरकार की रीति–नीति के विरुद्ध आवाज उठाना नागरिक का अधिकार ही नहीं, कर्तव्य भी है। जब कोई सरकार नागरिक के इस अधिकार पर अंकुश लगाने का प्रयास करती है तो वह लोकतंत्र को सीमित करने की ही कोशिश समझी जानी चाहिए। इन दिनों देश में 'कॉकरोच पार्टी' का आंदोलन चल रहा है। राजधानी दिल्ली में जंतर–मंतर पर देश के युवा अपनी मांगों के समर्थन में पिछले एक पखवाड़े से विरोध–प्रदर्शन कर रहे हैं। वे 'नीट' की परीक्षा में हुई धांधली के विरोध में शिक्षा मंत्री को दोषी मानते हैं और इसीलिए उनके इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। युवाओं के इस आंदोलन में जनतांत्रिक मूल्यों में विश्वास करने वाले लोग उन्हें समर्थन भी दे रहे हैं। सामाजिक कार्यकर्ता और नागरिक अधिकारों की रक्षा के प्रति लगातार सजग रहने वाले योगेंद्र यादव भी कॉकरोच पार्टी के इस प्रदर्शन का समर्थन करने पहुंचे थे। अपने भाषण में उन्होंने लगभग पंद्रह साल पहले इसी जगह हुए भ्रष्टाचार–विरोधी आंदोलन का हवाला देते हुए एक बहुत ही महत्वपूर्ण बात कही। उन्होंने बताया कि तब भी शुरुआती दौर में आंदोलनकारियों की संख्या तो लगभग आज जैसी ही थी, पर तब जंतर मंतर का यह प्रदर्शन स्थल इतना छोटा नहीं था। उन्होंने कहा, 'जंतर–मंतर अब छोटा हो गया है' और यह छोटा होना एक मैदान का क्षेत्रफल कम होना नहीं है, 'हमारा लोकतंत्र सिकुड़ता जा रहा है।' हमारे लोकतंत्र के सिकुड़ने की यह बात हल्के में लिए जाने की बात नहीं है। सरकार की रीति–नीति पर नजर बनाये रखना और कुछ गलत लग रहा है तो उसका विरोध करना जनतंत्र की सार्थकता की पहली शर्त है। लोकतंत्र के सिकुड़ने का अर्थ है उन मूल्यों और आदर्शों का कमजोर पड़ना जो शासन–प्रणाली को अर्थवान बनाते हैं। लोकतंत्र के सिकुड़ने का यह काम अनायास नहीं हो रहा, लोकतंत्र को संकुचित किया जा रहा है। दो तरीके हो सकते हैं ऐसा करने केदृ पहला तो यह कि सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन करने वालों को बल प्रयोग करके कमजोर बनाया जाये और दूसरा ऐसे प्रदर्शन की उपेक्षा करके सत्ता के विरोधियों को हतोत्साहित किया जाये। सरकारें यह दोनों तरीके अपनाती हैं। पांच–छह साल पहले 2020–2021 में किसान आंदोलन को जिस तरह से दबाया गया था, वह देश ने देखा था। यह बात सही है कि तब लगभग एक साल तक चले इस आंदोलन के सामने सरकार को अंततरू झुकना पड़ा था, पर जिस तरह किसानों को सरकार की उपेक्षा का शिकार होना पड़ा था, वह भी किसी से छिपा नहीं रहा।

इंग्लैंड T20I हार के बाद गौतम गंभीर और श्रेयस अय्यर पर संकट, बीसीसीआई करेगा समीक्षा

इंग्लैंड के खिलाफ T20I सीरीज में हार के बाद, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम और कोचिंग स्टाफ के प्रदर्शन की समीक्षा करने जा रहा है। यह फैसला ब्रिस्टल में खेले गए चौथे T20I मैच में भारत की हार के बाद लिया गया है। BCCI के एक सूत्र के मुताबिक, इस समीक्षा में खिलाड़ियों और कोचिंग टीम, दोनों के योगदान का आकलन किया जाएगा। हालांकि हेड कोच गौतम गंभीर का कॉन्ट्रैक्ट 2027 तक है, लेकिन टीम के हालिया प्रदर्शन की वजह से उनकी स्थिति पर सवाल उठ रहे हैं।

नए कप्तान श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारत को चौथे मैच में नौ विकेट से हार का सामना करना पड़ा, जिससे इंग्लैंड को पांच मैचों की सीरीज में 3–0 की अजेय बढ़त मिल गई। पहला मैच बिना किसी नतीजे के खत्म हुआ था। भारत को दूसरे T20I में भी चार विकेट से हार मिली और तीसरे मैच में 125 रनों की करारी हार झेलनी पड़ी, जिसमें 202 रनों का पीछा करते हुए पूरी टीम 76 रनों पर ही ऑलआउट हो गई। यह हार T20I वर्ल्ड कप की मौजूदा चौंपियन के तौर पर भारत की लगातार दूसरी T20I सीरीज हार है इससे पहले इंग्लैंड दौरे से पहले आयरलैंड के खिलाफ भी उन्हें 2–0 से हार का सामना करना पड़ा था। आयरलैंड के खिलाफ मिली यह हार उस टीम के हाथों भारत की पहली सीरीज हार थी। ये दोनों सीरीज हार तब हुईं जब BCCI ने अनुभवी खिलाड़ी और 2026 T20 वर्ल्ड कप जिताने वाले कप्तान सूर्यकुमार यादव की जगह श्रेयस अय्यर को कप्तान बनाया।

ब्रिस्टल में इंग्लैंड की जीत, भारत के खिल्फाप दो या उससे ज़्यादा मैचों वाली किसी बाइलेटरल T20I सीरीज में उनकी पहली जीत थी।

पहले बैटिंग करते हुए भारत ने 7 विकेट पर 158 रन बनाए, जिसमें अय्यर ने 49 गेंदों पर नाबाद 80 रन बनाकर सबसे ज़्यादा स्कोर किया, हालांकि उन्हें ज़्यादा साथ नहीं मिला। कप्तान हैरी ब्रूक (35 गेंदों पर 79 रन) और फिल सॉल्ट (42 गेंदों पर 59 रन) की हाफ–सेंचुरी की बदौलत इंग्लैंड ने 13.5 ओवर में आसानी से टारगेट हासिल कर लिया। गेंदबाज जोफ्रा आर्चर और जोश टोंग ने दो–दो विकेट लिए।

शेख हसीना की बांग्लादेश वापसी का ऐलान, बोलीं– मेरी हत्या हो सकती है, फिर भी लौटूंगी

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने शुक्रवार को घोषणा की कि वह अवामी लीग के दूसरे निर्वासित नेताओं के साथ दिसंबर के आसपास स्वेच्छा से बांग्लादेश लौटना चाहती हैं, भले ही उन्हें वहां पहुंचने पर गिरफ्तारी या मौत का सामना करना पड़ सकता है। 78 वर्षीय नेता, जो अगस्त 2024 में छात्रों के नेतृत्व वाले विद्रोह के बाद भारत चली गई थीं, जिसके कारण उनकी सरकार गिर गई थी, ने कहा कि लौटने पर वह अदालत के सामने आत्मसमर्पण करने की योजना बना रही हैं।

हसीना का कहना है कि ढाका से कोई बातचीत नहीं हो रही है

उन्होंने आगे साफ किया कि तय कार्यक्रम के अनुसार घर लौटने को लेकर ढाका में मौजूद मौजूदा अधिकारियों से कोई बातचीत नहीं हुई है। शेख हसीना ने कहा मेरे लौटने पर वे मुझे गिरफ्तार कर सकते हैं, यहाँ तक कि मेरी हत्या भी कर सकते हैं। फिर भी, मुझे जाना ही है। अपने देश में मौजूद राजनीतिक समर्थकों की मौजूदा स्थिति पर गहरी चिंता जाहिर करते हुए, पूर्व प्रधानमंत्री ने अपनी जमीन पर नतीजों का सामना करने के अपने संकल्प पर जोर दिया।

मेरे दल के नेताओं पर दमन हो रहा हैरू हसीना

मेरे दल के नेताओं और कार्यकर्ताओं पर भीषण दमन हो रहा है। अगर मौत आती है, तो मैं चाहती हूं कि वह मेरी अपनी धरती पर आए, जहां मेरे माता–पिता दफन हैं और जहां उनका खून बहा था। यह महत्वपूर्ण घोषणा बांग्लादेश के अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण के उस फैसले के बाद आई है, जिसमें उन्हें मानवता के खिलाफ अपराधों का दोषी ठहराते हुए मौत की सजा सुनाई गई थी।

इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल ने हसीना को मौत की सजा सुनाईः ये आरोप 2024 में छात्रों के नेतृत्व में हुए उन विरोध प्रदर्शनों के दौरान सरकार की कार्रवाई से जुड़े थे, जिनकी वजह से आखिरकार अवामी लीग की सरकार गिर गई। ट्रिब्यूनल ने राजनीतिक उथल–पुथल के दौरान प्रदर्शनकारियों की मौत के लिए उन्हें जिम्मेदार ठहराया, क्योंकि उन्होंने या तो इसके आदेश दिए थे या फिर इन मौतों को रोकने में नाकाम रहे थे। इसी फैसले में ट्रिब्यूनल ने पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमान खान कमाल को मौत की सजा और पुलिस के पूर्व इंस्पेक्टर जनरल चौधरी अब्दुल्ला अल–मामून को पाँच साल की जेल की सजा सुनाई। साथ ही, न्यायिक संस्था ने सरकार को शेखध हसीना और कमाल, दोनों की संपत्ति जब्त करने का भी निर्देश दिया।

बिग बैश लीग का भारत में ऐतिहासिक आगाज, चेन्नई करेगा पहले मैच की मेजबानी, पीएम मोदी का बड़ा ऐलान

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने शुक्रवार को घोषणा की कि ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग का 2026–27 सीजन भारत में शुरू होगा और इसका पहला मैच दिसंबर में चेन्नई में खेला जाएगा। अल्बानीज ने ऑस्ट्रेलिया की अपनी तीन दिन की यात्रा के आखिरी दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ यह घोषणा की और इसे दोनों देशों के बीच बढ़ते खेल संबंधों का हिस्सा बताया। ठठस् दुनिया की प्रमुख फ्रैंचाइजी ज्20 प्रतियोगिताओं में से एक है।

इसके सीजन के पहले मैच को चेन्नई में कराने का फैसला यह दिखाएगा कि पहली बार ऑस्ट्रेलिया के बाहर कोई आधिकारिक ठठस् मैच खेला जा रहा है। हालाँकि भारत ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और इंडियन प्रीमियर लीग की मेजबानी की है, लेकिन इससे पहले किसी विदेशी घरेलू क्रिकेट लीग ने देश में कोई आधिकारिक मैच आयोजित नहीं किया है। यह भारत में आयोजित होने वाला पहला विदेशी क्रिकेट लीग मैच होगा। बिग बैश लीग में आठ टीम भाग लेती हैं और यह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के बाद दुनिया की सबसे लोकप्रिय घरेलू क्रिकेट लीग में से एक है। इसे आमतौर पर दिसंबर से फरवरी के बीच आयोजित किया जाता है। एक्जिक्यूटिवब्रांच

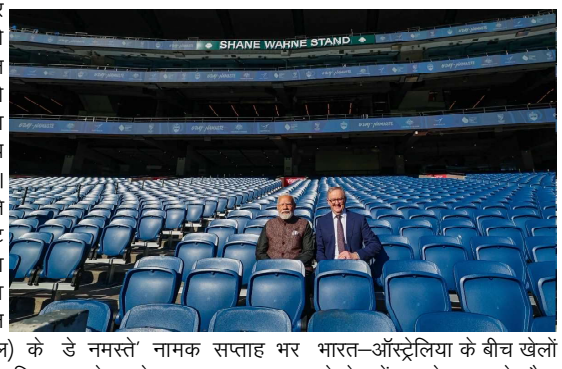

ऑस्ट्रेलियाई सरकार की विज्ञप्ति में कहा गया है कि यह मैच दिसंबर में पूरे भारत में आयोजित किए जाने वाले 'गुड डे नमस्ते' नामक सप्ताह भर चलने वाले उत्सव का मुख्य आकर्षण होगा। इस उत्सव में ऑस्ट्रेलियाई सांस्कृतिक, व्यावसायिक और खेल आयोजन शामिल होंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनके ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष एंथनी अल्बानीज ने मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में भारत–ऑस्ट्रेलिया के बीच खेलों के क्षेत्र में सहयोग का 'रोडमैप' जारी किया, जिसका उद्देश्य खेल प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण, खेल विज्ञान और प्रौद्योगिकी, और खेल उद्योग और निवेश में साझेदारी को बढ़ावा देना है। इस कार्यक्रम में विक्टोरिया प्रांत की प्रीमियर (प्रधानमंत्री) जैसिंटा एलन, वनडे विश्व कप विजेता पूर्व पुरुष कप्तान स्टीव वॉ और महिला कप्तान लिसा स्टालेकर भी उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को मशहूर मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (डब्ळ) का दौरा किया। वहां उन्होंने कहा कि यह जगह हर भारतीय के मन में दो भावनाएं जगाती हैरू भारत–ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट मैच का रोमांच और यह एहसास कि दोनों देशों के लिए क्रिकेट सिर्फ एक खेल से कहीं ज़्यादा है। उन्होंने कहा कि डब्ळ में कदम रखते ही किसी भी भारतीय के मन में एक साथ दो भावनाएं जागती हैं। पहली, भारत–ऑस्ट्रेलिया मैच का रोमांच और दूसरी, यह एहसास कि हमारे दोनों देशों में क्रिकेट सिर्फ एक खेल नहीं, बल्कि एक साझा जुनून है।

एशियाई खेलों के लिए भारत की 20 सदस्यीय महिला हॉकी टीम घोषित, सलीमा टेटे संभालेंगी कमान

नयी दिल्ली। अनुभवी मिडफील्डर सलीमा टेटे 19 सितंबर से चार अक्टूबर तक होने वाले एशियाई खेलों के दौरान भारत की 20 सदस्यीय महिला हॉकी टीम की कमान संभालेंगी। सलीमा की कप्तानी में ही भारत ने पिछले महीने न्यूजीलैंड में एफआईएच नेशंस कप में अपराजेय रहकर खिताब जीता था और इसके साथ ही प्रो लीग में अपनी वापसी सुनिश्चित की थी।

भारतीय टीम के मुख्य कोच शोर्ड मारिन ने चयन पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि हमारे पास ऐसी टीम है जिसमें जूनियर, अनुभवी और सीनियर खिलाड़ियों का एक बहुत अच्छा मिश्रण है। उन्होंने बताया कि टीम के ये सभी खिलाड़ी लगातार एक–दूसरे के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए लगातार प्रयास करते रहते हैं।

टीम में गोलकीपर की भूमिका पद्मश्री से सम्मानित सविता और बिछू देवी खारीबम निभाएंगी। रक्षापंक्ति यानी डिफेंस की जिम्मेदारी सुशीला चानू, इशिका चौधरी और ज्योति संभालेंगी। इनके साथ ही एफआईएच नेशंस कप के जरिए सीनियर टीम में पदार्पण करने वाली लालथांटलुआंगी और शिल्पी डबास को भी टीम में स्थान मिला है।

मिडफील्ड विभाग में कप्तान सलीमा टेटे के साथ निक्की प्रधान, साक्षी राणा, सुनेलिटा टोप्पो, नेहा और दीपिका सोरेंग को शामिल किया गया है।

वहीं फॉरवर्ड लाइन यानी अग्रिम पंक्ति में लालरेम्सियामी, रूतुजा पिसाल, नवनीत कौर, बलजीत कौर, इशिका, ब्यूटी डुंगडुंग और दीपिका मौजूद हैं। नेशंस कप में सबसे ज्यादा छह गोल दागने वाली दीपिका टीम के आक्रमण की मुख्य कड़ी होंगी।

कोच शोर्ड मारिन ने विश्वास जताते हुए कहा कि इस समूह ने खुद को पूरी तरह फिट और शानदार फॉर्म में साबित किया है। उन्होंने भरोसा जताया कि यह भारतीय टीम एशियाई खेलों की कड़ी चुनौती का सामना करने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

युवाओं में बढ़ रहा कम उम्र में जुए की लत का खतरा, सख्त नियमन और जागरूकता की आवश्यकता: अध्ययन

विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि युवाओं में कम उम्र में जुए की लत लगने का खतरा लगातार बढ़ रहा है। इस गंभीर समस्या से निपटने के लिए सरकारों को जुए के विज्ञापनों और इससे जुड़े उद्योग पर कड़े नियंत्रण लगाने की आवश्यकता है। इसके साथ ही, परिवारों को भी अपने बच्चों को इसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना होगा। मोनाश यूनिवर्सिटी के विशेषज्ञ चार्ल्स लिविंगस्टोन द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, ऑस्ट्रेलिया में आठ प्रतिशत से अधिक वयस्क जुए के दुष्प्रभावों से प्रभावित हैं, जबकि लगभग एक प्रतिशत वयस्क अत्यधिक जोखिम वाले स्तर पर जुआ खेलते हैं।

शोधकर्ताओं का कहना है कि 18 से 34 वर्ष के युवाओं को जुए की लत का सबसे अधिक जोखिम है। इस आयु वर्ग में नियमित रूप से पोकर मशीन जिन्हें पोकी कहा जाता है और ऑनलाइन सट्टेबाजी करने वाले लगभग 90 प्रतिशत लोगों को गंभीर आर्थिक नुकसान, आपसी रिश्ते टूटने और अन्य समस्याओं का सामना करना पड़ता है। विशेषज्ञों के अनुसार, पोकर मशीन और ऑनलाइन सट्टेबाजी जैसे जुए के कुछ रूप अन्य माध्यमों की तुलना में अधिक नुकसानदेह हैं और इनसे लत लगने की आशंका बहुत अधिक रहती है।

जुए से होने वाला सबसे आम नुकसान आर्थिक होता है, जिसमें व्यक्ति अपनी जीवनभर की बचत या घर तक गंवा सकता है। इसके अलावा, जुआ मानसिक स्वास्थ्य पर भी गहरा प्रभाव डालता है, जिससे पछतावा, अपराधबोध, शर्म, मानसिक तनाव, अवसाद और चिंता जैसी समस्याएं पैदा होती हैं। शोध के अनुसार, यह आदत आत्महत्या के जोखिम को भी बढ़ा सकती है। जुए का नकारात्मक प्रभाव केवल खेलने वाले तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसके परिवार और कार्यस्थल पर भी पड़ता है। माता–पिता में जुए की लत का सीधा संबंध पारिवारिक हिंसा, वैवाहिक विवाद और बच्चों की उपेक्षा से पाया गया है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और अमेरिकी मनोरोग संघ सहित अंतरराष्ट्रीय चिकित्सा प्रणालियों ने जुए की लत को एक व्यवहार संबंधी विकार माना है, जिसमें व्यक्ति नुकसान होने के बावजूद अपनी इच्छा पर नियंत्रण नहीं रख पाता। किशोरावस्था में मस्तिष्क के विकास के दौरान जोखिम उठाने की प्रवृत्ति अधिक होती है, जिससे छोटा पुरस्कार मिलने पर भी डोपामिन का स्राव होता है और लत लगने की संभावना बढ़ जाती है। स्मार्टफोन और इंटरनेट के कारण अब युवा बिना किसी कैसीनो गए, घर बैठे और परिवार की जानकारी के बिना भी जुआ खेल सकते हैं।

अध्ययन में सामने आया है कि जुआ उद्योग आक्रामक विज्ञापनों और डेटा प्रोफाइलिंग के जरिए युवाओं को लक्षित करता है। इस खतरे को रोकने के लिए प्रस्तावित प्रतिबंधों को नाकाफी बताया गया है और विज्ञापनों पर अधिक प्रभावी नियमन की मांग की गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि संज्ञानात्मक व्यवहार चिकित्सा जैसी पद्धतियों से इसका उपचार संभव है, लेकिन सामाजिक शर्म के कारण लोग इलाज नहीं कराते। इसके अलावा, पारिवारिक स्तर पर माता–पिता को सलाह दी गई है कि वे बच्चों के साथ खेलों के केवल मनोरंजन वाले पहलू पर चर्चा करें और जुए को खेल का स्वाभाविक हिस्सा न मानें। इसके अतिरिक्त, रात साढ़े आठ बजे के बाद खेल प्रसारण देखने से बचें क्योंकि इस समय के बाद जुए के विज्ञापन प्रसारित किए जा सकते हैं, और बच्चों के उपकरणों पर जुए की वेबसाइटों को ब्लॉक करने वाले डिजिटल टूल्स का उपयोग करें।

नहर में डूबने से युवक की मौत

फतेहपुर। किशनपुर थाना क्षेत्र के अकबरपुर बडवा गांव में शौच के लिए गया युवक नहर में डूब गया। युवक के डूबने की खबर सुन परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। अकबरपुर बडवा गांव निवासी छोटेलाल का 25 वर्षीय पुत्र राजकुमार दोपहर घर से शौचक्रिया के लिए खेतों की तरफ गया था। काफी देर तक जब युवक घर वापस नहीं लौटा तो परिजनों ने युवक की तलाश शुरू की। काफी खोजबीन के दौरान ग्रामीणों के जरिए परिजनों को युवक के नहर में डूबने की सूचना मिली। सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे। थोड़ी देर बाद नहर में युवक की तलाश शुरू की गई। काफी देर प्रयास के बाद युवक को नहर से खोज कर बाहर निकाला गया। लेकिन जब तक ग्रामीण युवक को बाहर निकालते तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। युवक की मौत की खबर सुन परिजनों में कोहराम मच गया। थोड़ी देर बाद मामले की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। परिजनों ने बताया कि राजकुमार पांच भाइयों में सबसे छोटा भाई था। परिजनों ने युवक की मौत को संदिग्ध बताया हैं।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों का विकल्प नहीं, लेकिन शुरुआती पहचान में मददगार: अध्ययन

ऑकलैंड विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए एक अध्ययन के अनुसार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित चौटबॉट मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों का विकल्प नहीं बन सकते। हालांकि, अवसाद जैसी मानसिक समस्याओं की शुरुआती पहचान करने और लोगों को समय रहते सहायता उपलब्ध कराने में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। वर्तमान में दुनिया भर में एआई चौटबॉट लोगों के लिए साथी, सलाहकार और भावनाएं साझा करने के माध्यम के रूप में तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं और लोग मानसिक तनाव व भावनात्मक सहयोग के लिए इनका सहारा ले रहे हैं।

अध्ययन के अनुसार, उपयोगकर्ता व्यक्तिगत समस्याओं पर चर्चा करने, भावनात्मक समर्थन पाने और अपनी मानसिक स्थिति को समझने के लिए एआई का इस्तेमाल कर रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि ये चौटबॉट लोगों के प्रति कोई पूर्वाग्रह नहीं रखते। न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में, जहां मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं में लंबी प्रतीक्षा सूची की समस्या है, वहां ये चौटबॉट तत्काल बातचीत का एक विकल्प उपलब्ध कराते हैं। हालांकि, तकनीक के बढ़ते उपयोग के साथ इसकी सीमाओं को समझना भी आवश्यक है।

शोधकर्ताओं का मानना है कि मौजूदा एआई चौटबॉट जटिल सवालों के जवाब देने से लेकर रिश्तों से जुड़ी सलाह देने तक कई काम कर सकते हैं और उनकी बातचीत काफी हद तक मानवीय महसूस होती है। उचित तरीके से इस्तेमाल किए जाने पर ये उपकरण चिंता और अवसाद के लक्षणों को कम करने में मददगार हो सकते हैं। यह लोगों को कठिन परिस्थितियों को अलग नजरिये से देखने के लिए प्रेरित कर श्कॉग्निटिव रीफ्रेमिंगश का अभ्यास कराने में भी सहायक हो सकता है।

इसके बावजूद, शोधकर्ताओं, चिकित्सकों और नियामकों ने गंभीर चिंताएं भी जताई हैं। उनका कहना है कि एआई कभी–कभी गलत सलाह दे सकता है, हानिकारक धारणाओं को मजबूत कर सकता है और संकट के संकेतों को पहचानने में विफल हो सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, एआई भले ही संवेदनशील प्रतीत हो, लेकिन वह व्यक्ति की वास्तविक परिस्थितियों और भावनाओं को मनुष्यों की तरह नहीं समझ सकता और न ही इस पर पेशेवरों जैसी कोई नियामकीय जवाबदेही लागू होती है। मानसिक स्वास्थ्य देखभाल में भरोसा, सहानुभूति और मानवीय जुड़ाव की अहम भूमिका होती है, इसलिए अधिकांश विशेषज्ञ इसे केवल एक सहयोगी उपकरण मानते हैं।

ऑकलैंड विश्वविद्यालय का श्2डीएनश शोध समूह इस बात का अध्ययन कर रहा है कि क्या एआई आवाज के उतार–चढ़ाव, बोलने के तरीके, शब्दों के चयन और चेहरे के भावों जैसे श्डिजिटल बायोमार्करश के आधार पर अवसाद के शुरुआती लक्षणों की पहचान कर सकता है। इस शोध का उद्देश्य चिकित्सकों का स्थान लेना नहीं, बल्कि ऐसे उपकरण विकसित करना है जो शुरुआती जांच और निगरानी में मदद कर सकें। शोधकर्ताओं ने इसकी तुलना उन वियरेबल डिवाइस से की है जो हृदय की असामान्य गतिविधियों का पता लगा सकते हैं, लेकिन हृदय रोग विशेषज्ञ का विकल्प नहीं होते।

विशेषज्ञों का मानना है कि भविष्य में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं में तकनीक की भूमिका बढ़ेगी, लेकिन इसके लिए आंकड़ों की गोपनीयता, सुरक्षा और सूचित सहमति सुनिश्चित करना बेहद आवश्यक है। एआई प्रशिक्षण के आंकड़ों में मौजूद पक्षपात भी विभिन्न समुदायों के लिए इसके प्रभाव को बदल सकता है। इसके अलावा, लोगों का एआई पर जरूरत से ज्यादा भरोसा करना भी एक बड़ी चिंता है। मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का भविष्य संभवतः तकनीक द्वारा पैटर्न पहचानने की क्षमता और मनुष्यों की सहानुभूति व चिकित्सकीय निर्णय क्षमता के संतुलित समन्वय पर निर्भर करेगा।

स्वास्थ्य विभाग का बड़ा एक्शन, अवैध निजी अस्पताल सीज, 8 को नोटिस

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। जनपद के विकास खंड नवाबगंज में स्वास्थ्य विभाग ने अवैध रूप से संचालित निजी अस्पतालों एवं पैथोलॉजी केंद्रों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजय शर्मा के निर्देश पर अधीक्षक डॉ. थानेदार के नेतृत्व में गठित टीम ने विभिन्न निजी स्वास्थ्य संस्थानों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बिना वैध पंजीकरण संचालित एक निजी अस्पताल को तत्काल सीज कर दिया गया। इसके अलावा जांच में

अनियमितताएं मिलने पर आठ निजी अस्पतालों और पैथोलॉजी केंद्रों को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है। स्वास्थ्य विभाग की इस कार्रवाई से क्षेत्र के निजी अस्पताल संचालकों और पैथोलॉजी केंद्रों में हड़कंप मच गया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बिना पंजीकरण संचालित संस्थानों तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ भविष्य में भी अभियान जारी रहेगा और दोषी पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

सड़क न बनने से ग्रामीणों का फूटा गुस्सा, सड़क पर उतरकर किया प्रदर्शन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। जनपद के विकास खंड शिवपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत खैरा कला के भुर्जिनपुरवा गांव में सड़क निर्माण न होने से ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा। सड़क की बदहाल स्थिति से परेशान दो दर्जन से अधिक ग्रामीणों ने सड़क पर उतरकर प्रदर्शन किया और जल्द निर्माण की मांग उठाई। प्रदर्शन कर

रहे ग्रामीणों का कहना था कि लंबे समय से मुख्य मार्ग जर्जर अवस्था में है, जिससे आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बरसात के मौसम में सड़क की स्थिति और भी खराब हो जाती है, जिससे स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों को सबसे अधिक दिक्कत होती है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की कि मुख्य सड़क का निर्माण शीघ्र कराया जाए। उनका कहना है कि यदि जल्द कोई कार्रवाई नहीं हुई तो सभी ग्रामीण जिला मुख्यालय पहुंचकर प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

निजी अस्पतालों के बाहर सड़क पर अवैध पार्किंग से रोज लग रहा जाम, राहगीर परेशान

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। शहर में पानी टंकी से डिगिहा तथा डिगिहा तिराहे से छावनी चौराहे तक स्थित निजी अस्पतालों के सामने सड़क की पटरी पर बड़ी संख्या में बाइक और चार पहिया वाहन खड़े किए जाने से प्रतिदिन जाम की स्थिति बन रही है। इससे आम राहगीरों और वाहन चालकों को आवागमन

में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अस्पतालों में आने वाले मरीजों और तीमारदारों के वाहन सड़क किनारे ही खड़े कर दिए जाते हैं, जिससे सड़क संकरी हो जाती है। व्यस्त समय में वाहनों की लंबी कतार लग जाती है और लोगों का समय जाम में फंसकर बर्बाद होता है। कई बार एंबुलेंस और अन्य आवश्यक सेवाओं के वाहन भी जाम में फंस जाते हैं। नागरिकों ने प्रशासन और यातायात पुलिस से इस समस्या के स्थायी समाधान की मांग की है। लोगों का कहना है कि निजी अस्पताल संचालकों को अपने यहां पर्याप्त पार्किंग की व्यवस्था करनी चाहिए तथा सड़क पर वाहन खड़े होने से रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाने चाहिए, ताकि शहर की यातायात व्यवस्था सुचारु बनी रहे और आमजन को राहत मिल सके।

बैटरी रिक्शा योजना का इंतजार दिव्यांग की जिंदगी बनी संघर्ष, भीख मांगकर गुजारा करने की मजबूरी

दैनिक बुद्ध का संदेश

नवाबगंज (बहराइच)। सरकार दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए बैटरी चालित रिक्शा समेत कई कल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रही है, लेकिन इन योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक नहीं पहुंच पा रहा है। विकास खंड नवाबगंज की ग्राम पंचायत नौबस्ता जमुनहा में एक दिव्यांग व्यक्ति आज भी सहायता के अभाव में भीख

मांगकर जीवनयापन करने को मजबूर है। मिली जानकारी अनुसार गांव निवासी पागुलिया पुत्र शमशुल ने बैटरी चालित रिक्शा योजना का लाभ पाने के लिए कई बार बाबागंज ब्लॉक मुख्यालय के चक्कर लगाए, लेकिन अब तक उन्हें योजना का लाभ नहीं मिला। दिव्यांगता और आर्थिक तंगी के चलते रोजगार का कोई साधन नहीं है, जिससे रोजमर्रा का जीवन चलाना बेहद कठिन है। वहीं ग्रामीणों का कहना है कि गांव में कई ऐसे दिव्यांग हैं जो सरकारी योजनाओं के पात्र होने के बावजूद लाभ से वंचित हैं। उनका आरोप है कि यदि समय–समय पर सही सर्वे और पारदर्शी चयन प्रक्रिया अपनाई जाए तो जरूरतमंद लोगों को योजनाओं का लाभ मिल सकेगा और वे सम्मानपूर्वक जीवनयापन कर पाएंगे। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि ग्राम पंचायत में विशेष अभियान चलाकर पात्र दिव्यांगों का सर्वे कराया जाए तथा बैटरी चालित रिक्शा सहित अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ शीघ्र उपलब्ध कराया जाए।

उतरौला में आज कदीमी शबेदारी का आयोजन, देशभर के धार्मिक विद्वान होंगे शामिल

दैनिक बुद्ध का संदेश

उतरौला / बलरामपुर। नगर के बड़ा इमामबाड़ा, आबिदा बेगम मोहल्ला, सुभाष नगर में शनिवार 11 जुलाई (25 मोहर्रम) की रात 9 बजे कदीमी शबेदारी एवं शबीह–ए–ताबूत बीमार –ए –कर्बला का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों से आए प्रसिद्ध आलिम– ए–दीन, नौहाख्वां और अंजुमनें शामिल होकर वाकयाते कर्बला तथा हजरत इमाम सैय्यद सज्जाद की शहादत पर प्रकाश डालेंगी। सफीर–ए–अज़ा सैय्यद अमीर हसन आमिर ने बताया कि कार्यक्रम का संचालन अनीस जायसी करेंगे। हदीस–ए–किसा सैय्यद अरसलान आरिज़ पढ़ेंगे, जबकि पेशख्वानी नायाब बलयावी करेंगे। इसके बाद मुंबई से आए मौलाना शाहिद हसन रिज़वी मजलिस को संबोधित करेंगे। मजलिस के उपरांत शबीह –ए–ताबूत बीमार– ए–कर्बला बरामद होगा, जिसकी ज़ियारत के बाद विभिन्न अंजुमनों द्वारा मातमी पुर्सा पेश किया जाएगा। कार्यक्रम में अंजुमन जुल्फ़िकारिया (जाजलपुर), अंजुमन हैदरी (हल्लौर), अंजुमन अज़ा–ए– अहलेबैत सिपाह (जौनपुर) तथा अंजुमन पैगाम –ए–हुसैन अहलेसुन्नत (हलधर मऊ, गोंडा) अपनी प्रस्तुति देंगे। विशेष नौहाख्वानी के लिए कमाल मेहदी (उत्तराखंड), ज़हीर अब्बास (मुंबई) और अली वज़ीर औन (सिवान, बिहार) आमंत्रित किए गए हैं। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण हुसैनी अज़ादार प्रोडक्शन के माध्यम से किया जाएगा, ताकि देश–विदेश के अज़ादार भी इससे जुड़ सकें। सफीर–ए–अज़ा सैय्यद अमीर हसन आमिर ने सभी मोमिनीन और अज़ादारों से समय पर पहुंचकर शबेदारी में शामिल होने तथा शबीह –ए–ताबूत बीमार–ए –कर्बला की ज़ियारत कर सवाब –ए–अज़ा प्राप्त करने की अपील की है। इस कदीमी शबेदारी के बानी मरहूम इंजीनियर सैय्यद आफ़ताब हुसैन रिज़वी रहे हैं।

यातायात नियमों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई, 100 वाहनों का किया गया चालान

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद में सड़क सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए जनपद में परिवहन विभाग एवं ट्रैफिक पुलिस द्वारा एआरटीओ (प्रशासन) के नेतृत्व में संयुक्त प्रवर्तन अभियान चलाया गया।अभियान का उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना, यातायात नियमों के प्रति आमजन में जागरूकता बढ़ाना तथा नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करना रहा। अभियान के दौरान विभिन्न प्रमुख चौराहों, व्यस्त मार्गों एवं संवेदनशील स्थानों पर सघन वाहन चेकिंग की गई।संयुक्त टीम ने अभियान के दौरान बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने,बिना वैध ड्राइविंग लाइसेंस वाहन संचालन करने, हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट के अभाव, बिना वैध बीमा, नशे की हालत में वाहन चलाने तथा अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की।अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यातायात नियमों का पालन केवल कानूनी दायित्व ही नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा

से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है।इसलिए नियमों की अनदेखी करने वालों के प्रति भविष्य में भी इसी प्रकार कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।इस प्रवर्तन अभियान के दौरान कुल 100 वाहनों का चालान किया गया। इसके अतिरिक्त गंभीर अनियमितताएँ पाए जाने पर दोपहिया वाहनों सहित कुल 15 वाहनों को सीज किया गया। अभियान के दौरान वाहन चालकों को आवश्यक दस्तावेज साथ रखने, निर्धारित गति सीमा का पालन करने, हेलमेट एवं सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करने तथा शराब या अन्य नशीले पदार्थों के सेवन के बाद वाहन न चलाने की सख्त हिदायत दी गई। अधिकारियों ने बताया कि नियमों का पालन करने से न केवल स्वयं का जीवन सुरक्षित रहता है, बल्कि अन्य सड़क उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा भी सुनिश्चित होती है।एआरटीओ (प्रशासन) ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं अनुशासित यातायात व्यवस्था स्थापित करने के लिए इस प्रकार के संयुक्त अभियान आगे भी नियमित रूप से संचालित किए जाएंगे। उन्होंने आमजन से अपील की कि वे यातायात नियमों का पूर्ण पालन करें, सभी आवश्यक दस्तावेज अद्यतन रखें तथा वाहन चलाते समय सुरक्षा मानकों का अनिवार्य रूप से पालन करें। परिवहन विभाग एवं ट्रैफिक पुलिस का यह संयुक्त प्रयास केवल दंडात्मक कार्रवाई तक सीमित नहीं है, बल्कि नागरिकों में सड़क सुरक्षा के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना भी इसका प्रमुख उद्देश्य है। प्रशासन ने विश्वास व्यक्त किया कि जनसहयोग और नियमों के प्रति जागरूकता से सड़क दुर्घटनाओं में प्रभावी कमी लाई जा सकेगी तथा जनपद में सुरक्षित एवं सुगम यातायात व्यवस्था सुनिश्चित होगी।

विश्वकर्मा शिल्पकार पीडीए सम्मेलन, पूर्व मंत्री राम आसरे विश्वकर्मा का भव्य स्वागत, 2027 चुनाव को लेकर सपा ने भरी हुंकार

दैनिक बुद्ध का संदेश

श्रावस्ती। हरिहरपुररानी क्षेत्र के बनघूसरा मोड़ पर आयोजित विश्वकर्मा शिल्पकार पीडीए सम्मेलन में समाजवादी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं का जमावड़ा देखने को मिला। कार्यक्रम में पहुंचे पूर्व मंत्री राम आसरे विश्वकर्मा का सपा कार्यकर्ताओं ने फूल–मालाओं से भव्य स्वागत किया।

सम्मेलन के दौरान वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर संगठन को मजबूत बनाने पर विशेष जोर दिया गया। वक्ताओं ने कार्यकर्ताओं से गांव–गांव जाकर पार्टी की नीतियों और पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) अभियान को जन–जन तक पहुंचाने का

आह्वान किया। अपने संबोधन में पूर्व मंत्री राम आसरे विश्वकर्मा ने भाजपा सरकार और उसकी नीतियों पर तीखा हमला बोला। उन्होंने महंगाई, बेरोजगारी, शिक्षा व्यवस्था समेत विभिन्न मुद्दों पर सरकार को घेरते हुए कहा कि जनता बदलाव चाहती है। उन्होंने आरोप लगाया कि शिक्षा व्यवस्था लगातार कमजोर होती जा रही है और आम जनता कई समस्याओं से जूझ रही है। राम आसरे विश्वकर्मा ने अपने भाषण के दौरान राम मंदिर में चढ़ावे को लेकर भी भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए। यह उनके राजनीतिक आरोप और बयान थे। साथ ही उन्होंने कार्यकर्ताओं से वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने के लिए पूरी ताकत से जुटने की अपील की। कार्यक्रम में विधायक इंद्राणी वर्मा, सपा जिलाध्यक्ष सर्वजीत यादव सहित पार्टी के कई वरिष्ठ पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में समर्थक मौजूद रहे। नेताओं ने संगठन की मजबूती और बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने पर बल दिया।

दोना–पत्तल मेकिंग मशीन के चयन हेतु साक्षात्कार 15 जुलाई को

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद में सरकार द्वारा संचालित युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के मुहिम में उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड की टूल्स किट्स वितरण योजना के अंतर्गत दोना–पत्तल मेकिंग मशीन के लिए ऑनलाइन आवेदन कर चुके अभ्यर्थियों का चयन साक्षात्कार के माध्यम से किया जाएगा।इसके लिए साक्षात्कार 15 जुलाई (बुधवार) को प्रातः 11 बजे जिला ग्रामोद्योग कार्यालय, 122 राजा मोहल्ला, उत्तरौला रोड, निकट महाराजगंज पुलिस चौकी, गोण्डा में आयोजित होगा।जिला

ग्रामोद्योग अधिकारी महेन्द्र कुमार मिश्र ने बताया कि ऑनलाइन नामांकन कर चुके सभी अभ्यर्थी निर्धारित तिथि एवं समय पर आवश्यक अभिलेखों के साथ उपस्थित हों। अभ्यर्थियों को राशन कार्ड, आधार कार्ड, शैक्षिक योग्यता संबंधी प्रमाणपत्र, पासपोर्ट आकार के फोटो, निवास प्रमाण पत्र तथा जाति प्रमाण पत्र (यदि लागू हो) साथ लाना अनिवार्य होगा।उन्होंने बताया कि निर्धारित समय पर उपस्थित न होने अथवा साक्षात्कार में अनुपस्थित रहने वाले अभ्यर्थियों के आवेदन पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।सभी पात्र अभ्यर्थियों का चयन मुख्यालय द्वारा गठित चयन समिति के माध्यम से किया जाएगा।

जिला ग्रामोद्योग अधिकारी ने सभी ऑनलाइन पंजी.त अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे निर्धारित तिथि पर समय से उपस्थित होकर चयन प्रक्रिया में प्रतिभाग करें।

बसपा नेता के.पी. राठौर नजरबंदी से रिहाः पुलिसकर्मी को सौंपा ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। बहुजन समाज पार्टी के पूर्व मण्डल प्रभारी एवं विधानसभा संयोजक मुस्लिम भाई चारा कमेटी के.पी. राठौर को हर्रैया में आयोजित मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का

कार्यक्रम सम्पन्न होने के बाद उन्हें नजरबंदी से मुक्त कर दिया गया। के.पी. राठौर मुख्यमंत्री की जनपद यात्रा के दौरान मिलकर जनपद की समस्याओं, कानून व्यवस्था, ऐथनाल फैक्ट्री, लालगंज के सिद्धनाथ गांव में मासूम दलित बेटी की हत्या, मेहनौना में लक्ष्मण निषाद की हत्या, मुण्डेरवा थाना क्षेत्र के जोगिया में हुई मौत सहित अन्य मामलों को लेकर ज्ञापन देना चाहते थे। जैसे ही प्रशासन को इसकी जानकारी मिली नगर थाने की पुलिस ने के.पी. राठौर को उनके घर महादेवा विधानसभा क्षेत्र के सिसवारी रघुवीर सिंह में नजरबंद कर लिया। उन्हे मुख्यमंत्री का कार्यक्रम सम्पन्न होने के बाद छोड़ दिया गया। बसपा नेता के.पी. राठौर ने बताया कि जनपद में जघन्य हत्या, लूट सहित अनेक गंभीर मामलों एवं शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, बढती मंहगाई को लेकर वे निरन्तर संघर्ष कर रहें है किन्तु न्याय नहीं मिल पा रहा है। वे मुख्यमंत्री को जो ज्ञापन देना चाहते थे उसे नजरबंद करने आये पुलिस कर्मी को इस आशय से सौंपा कि उनकी मांग मुख्यमंत्री तक पहुंच जाय। प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से बसपा नेता के.पी. राठौर ने कहा कि मुख्यमंत्री सबके हैं, अच्छा होता कि कार्यक्रम के दौरान कम से कम विपक्षी दलों के नेताओं को उनसे मिलने दिया जाता और उनकी बात सुनी जाती। लोकतंत्र में विपक्षी दलों के नेताओं को नजरबंद कर देने का तरीका ठीक नहीं है। कहा कि जनहित के सवालों को लेकर उनका संघर्ष जारी रहेगा।

अवैध सागौन वृक्षों की कटान पर वन संरक्षक के संज्ञान लेते ही दर्ज हुआ मुकदमा

रेन्जाधिकारी का सख्त निर्देश बिना परमिट कटान पर होगी सख्त कार्यवाही

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। वन प्रभाग के अन्तर्गत क्षेत्राधिकारी सादुल्लाह नगर विजयपाल ने तत्काल मामले

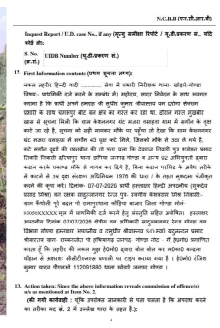

सादुल्लाह नगर वन रेंज क्षेत्र में लकड़कट्टो के द्वारा बिना बिना परमिट के अवैध सागौन वृक्षों की कटान के खबर को हिन्दी दैनिक बुध का संदेश अखबार ने प्रमुखता से प्रकाशित किया था,जिसका संज्ञान वन संरक्षक देवीपाटन वृत्त डॉ सेम्मारन एम. ने लेकर प्रभागीय वनाधिकारी गोन्डा अनुराग प्रियदर्शी को कार्यवाही का निर्देश दिया था।इसकी क्रम में वन क्षेत्राधिकारी सादुल्लाह नगर के निर्देश पर वन दरोगा सुधीर कुमार और फॉरेस्ट गार्ड सुखदेव मिश्रा के लिखित तहरीर पर एक नामजद तथा दो अज्ञात व्यक्तियों पर थाना खोड़ारे में अवैध तरीके से कटान करने के सम्बन्ध में धारा 4/10 के तहत अभियोग दर्ज कराया गया है।वहीं वन क्षेत्राधिकारी सादुल्लाह नगर विजय पाल ने दूरभाष पर जानकारी करने पर बताया की प्रतिबंधित वृक्षों के अवैध तरीके से कटान पर कार्यवाही तय है।वन क्षेत्राधिकारी ने साफ शब्दों में कहा है कि अगर ठेकेदार बिना परमिट के मनमाने तौर–तरीकों से कटान करेंगे तो विभागीय कार्यवाही के साथ ही मुकदमा भी दर्ज कराया जाएगा।

प्रतिबंधित वृक्षों की कटान करने से पूर्व उसका नियमपूर्वक परमिट बनवा लें और कानून कार्यवाही से बचें।

पयागपुर पुलिस का बड़ा खुलासाः चार शातिर चोर गिरतार, सोने–चांदी के जेवर व नकदी बरामद

दैनिक बुद्ध का संदेश

पयागपुर, बहराइच। अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत पयागपुर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। थानाध्यक्ष दीपक सिंह के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने चोरी की घटना का खुलासा करते हुए चार शातिर चोरों को गिरतार किया है। आरोपियों के कब्जे से सोने–चांदी के आभूषण, पीली धातु के जेवर तथा 4,035 रुपये नकद बरामद किए गए हैं।पुलिस के अनुसार, 10 जुलाई को मुखबिर की सूचना पर थाना क्षेत्र के डिहिया पुल के पास घेराबंदी कर

चारों आरोपियों को गिरतार किया गया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने चोरी की वारदात में शामिल होने की बात स्वीकार की। बरामदगी के आधार पर पुलिस ने सभी आरोपियों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय भेज दिया। गिरतार आरोपियों की पहचान कमलेश चौहान, श्याम उर्फ चौहान, पप्पू उर्फ गोमती चौहान निवासी ग्राम बकवा थाना पयागपुर तथा अजीज उर्फ सद्दाम उर्फ सलीम निवासी थाना कोतवाली नगर, श्रावस्ती के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, चारों आरोपियों के विरुद्ध विभिन्न जनपदों में चोरी समेत कई गंभीर आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। इस कार्रवाई में थानाध्यक्ष दीपक सिंह के साथ उपनिरीक्षक अमित प्रकाश, उपनिरीक्षक रवि कुमार, हेड कांस्टेबल शिवनारायण पाण्डेय, आफताब अहमद, मनीष कुमार तथा कांस्टेबल आशीष चौहान व मनीष कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सोनभद्र में पौधरोपण को जनभावनाओं से जोड़ने की अनूठी पहल

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र।जिलाधिकारी चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट मे बैठक की गयी बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रदेश के मा0 मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के निर्देश के क्रम में प्रदेश में वृक्षा रोपण महायज्ञ 2026 अभियान के तहत प्रदेश में 35 करोड़ पौध रोपण का लक्ष्य 12 जुलाई को रखा गया है जिसके अन्तर्गत जनपद सोनभद्र में 1 करोड़ 67 लाख 91 हजार सौ पौध रोपण किया जायेगा जिसमें 28 विभागों की वृहद स्तर पर पौध रोपण कराने हेतु लक्ष्य निर्धारित किया गया है, पौध रोपण अभियान में मुख्य अतिथि के रूप में समाज कल्याण राज्य मंत्री श्री संजीव कुमार गौड़ जुगैल में आयोजित कार्यक्रम मे सम्मलित होगें व मण्डलायुक्त विन्ध्यांचल मंण्डल नोडल श्री की गयी है। उन्होने कहा कि

राजेश प्रकाश रेनूकूट पिपरी में आयोजित पौध रोपण कार्यक्रम में सम्मलित होगें। उन्होनें कहा कि सभी अधिकारी अपने लक्ष्य के अनुरूप पौध उठान की कार्यवाही समय से पूर्ण कर लें। उन्होंने कहा कि इस अभियान में सरकार ने जनसहभागिता सुनिश्चित करते हुए पौधरोपण महाअभियान की की शुरुआत अभियान के तहत रोपे गए पौधों को शत–प्रतिशत सुरक्षित रखा जाए और आम–जन को पौधरोपण के प्रति ज्यादा से ज्यादा जागरुक भी किया जाए। इसी कड़ी में जनपद में पौधरोपण अभियान को तीज–त्यौहारों व संस्ति से जोड़ते हुए विभिन्न प्रकार के वनों की स्थापना के साथ ही विशिष्ट प्रकार के आयोजन भी जनपद में प्रदेश में दूसरा स्थान प्राप्त हुआ है। उन्होंने बताया कि विकास कार्यों की गणना के लिए निर्धारित 63 सूचकांकों के सापेक्ष जनपद को 59 सूचकांकों में ए ग्रेड प्राप्त हुआ है। सोनभद्र ने विकास कार्यों के मामले में 630 अंकों में 610 अंक प्राप्त कर उ. ष्ट प्रदर्शन किया है। यह उपलब्धि सभी विभागों के बेहतर समन्वय, नियमित अनुश्रवण एवं जनहित के प्रति प्रतिबद्ध कार्यशैली का परिणाम है। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह सफलता सभी के सामूहिक प्रयास, टीम भावना तथा शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप किए गए सतत कार्यों का प्रतिफल है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डैशबोर्ड के मानक के अनुरूप सभी अधिकारी एवं कर्मचारी पूरी निष्ठा, पारदर्शिता व जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्व का निर्वहन करते रहें। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि शासन की प्राथमिकता के अनुरूप जनशिकायतों एवं विभिन्न विभागीय प्रकरणों का समयबद्ध, संवेदनशील एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सर्वोच्च प्राथमिकता पर सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विभाग नियमित मॉनिटरिंग करते हुए लंबित प्रकरणों का शीघ्र समाधान करें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के समर्पित प्रयासों से जनपद भविष्य में भी उत्ष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रदेश में और बेहतर स्थान प्राप्त करेगा।

जिलाधिकारी ने बताया कि प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार इस वर्ष पौधरोपण को सीधे तौर पर जन–भावनाओं और हमारे प्रमुख त्योहारों से जोड़ा जा रहा है। नवीन विशिष्ट वन और मिशन छाया जैसे प्रयास पर्यावरण के प्रति लोगों में एक नई जागरूकता लाने के लिए हैं।

वन विभाग की पूरी तैयारी है कि तय तिथियों पर आमजन, छात्र–छात्राओं और विभिन्न सामाजिक संस्थाओं की सक्रिय भागीदारी के साथ इन विशिष्ट वनों को सफलतापूर्वक स्थापित किया जाए, ताकि जिले में हरियाली का एक स्थायी और समृद्ध वातावरण तैयार हो सके। बताया कि इसलिए जिले की प्रत्येक ग्राम पंचायत में ग्रीन चौपाल का आयोजन किया जाएगा। जिसके माध्यम से आमजन को पौधे लगाने से होने वाले लाभ व पेड़ों की कटान से वातावरण पर पड़ने वाले प्रभाव की जानकारी दी जाएगी। जिलाधिकारी ने बताया कि हीटवेट के दुष्प्रभावों को नियंत्रित करने हेतु प्रदेश सरकार ने सड़कों के किनारे दोनों तरफ ज्यादा से ज्यादा छायादार पौधे लगाने की योजना बनाई है। इसे मिशन छाया नाम दिया गया है। बताया कि इस मिशन के तहत सड़कों के किनारे छायादार पौधों का रोपण करने के साथ ही उनकी सुरक्षा भी सुनिश्चित की जाएगी। सड़कों के किनारे रोपे गए पौधे जब बड़े होकर वृक्ष बनेंगे तो सड़कों का तापमान कम रहेगा। जिससे हीटवेट का खतरा कम होगा। इस मौके पर प्रभागीय वनाधिकारी रेनूकूट, प्रभागीय वनाधिकारी ओबरा, प्रभागीय वनाधिकारी रावर्टसगंज, जिला विकास अधिकारी हेमन्त कुमार सिंह सहित सम्बन्धित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला वन ट्रिलियन डॉलर (ओटीडी) सेल की समीक्षा बैठक सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र।जिलाधिकारी चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में जिला वन ट्रिलियन डॉलर (ओटीडी) सेल की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी ने बताया कि वर्ष 2024–25 में जनपद का सकल जिला घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 46,929 करोड़ रुपये रहा, जो वर्ष 2023–24 की तुलना में 5,084 करोड़ रुपये अधिक है। इस प्रकार जनपद ने 12.10 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। जनपद की प्रदेश के सकल घरेलू उत्पाद में 1.55 प्रतिशत की सहभागिता तथा प्रति व्यक्ति आय 1,69,563 रुपये दर्ज की गई, जो प्रदेश की औसत प्रति व्यक्ति आय से अधिक है। बैठक में जिलाधिकारी ने .षि, उद्यान, पशुपालन, मत्स्य एवं वन विभाग सहित प्राथमिक क्षेत्र की प्रगति की समीक्षा करते हुए अपेक्षित सुधार लाने के निर्देश दिए। द्वितीयक क्षेत्र में औद्योगिक इकाइयों के पंजीकरण, विद्युत उपभोग एवं स्थानीय निकायों द्वारा भवन मानचित्र स्वी.ति की समीक्षा की गई। विगत दो वर्षों में भवन मानचित्र स्वी.ति में आई कमी पर चिंता व्यक्त करते हुए इसमें सुधार के निर्देश दिए गए। तृतीयक क्षेत्र के अंतर्गत जीएसटी संग्रह, व्यापारिक प्रतिष्ठानों, होटल एवं वाहन पंजीकरण तथा वित्तीय सेवाओं की प्रगति की समीक्षा कर आर्थिक गतिविधियों को गति देने के निर्देश दिए गए। बैठक में अपर जिलाधिकारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

अज्ञात वाहन के धक्के से बाइक सवार युवक की मौत

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र।हाथीनाला थाना क्षेत्र अंतर्गत वाराणसी शक्तिनगर राजमार्ग मार्ग पर रेणुकूट की ओर जा रहे बाइक सवार युवक की अज्ञात वाहन से टक्कर होने के बाद सड़क पर गिरने से मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक गुरूवार की रात्रि हाथीनाला थाना से तीन किलोमीटर आगे रेनुकोट की तरफ चंदौली से रेनुकोट की ओर जा रहा बाइक पर सवार आगे जा रहे अज्ञात वाहन में टकराकर सड़क पर गिर पड़ा घटना में गंभीर चोट लगने के कारण 27 वर्षीय आशुतोष कुमार गुप्ता पुत्र रामटहल गुप्ता निवासी जमुनीपुर चंदौली की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। बताया गया कि मृतक रेनुकोट स्थित कंपनी में कार्यरत था जो अपने गांव से रेनुकोट जा रहा था कि बीच रास्ते में ही सड़क दुर्घटना का शिकार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची हाथीनाला पुलिस शव को कब्जे में लेकर अग्रीम कार्रवाई में जुट गई।इस संबंध में हाथीनाला थाना प्रभारी उदयभान राव ने बताया अज्ञात वाहन के धक्के से बाइक सवार की मौत हो गई है शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की जा रही है घटना में शामिल वाहन की तलाश की जा रही है।

सी0एम0 डैशबोर्ड के रैंकिंग में विकास कार्यों में सोनभद्र को मिला प्रदेश में दूसरा स्थान

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र।प्रदेश की योगी सरकार द्वारा सुशासन और जनसमस्याओं के त्वरित समाधान की दिशा में जिलाधिकारी चर्चित गौड़ की ओर से किए जा रहे प्रयासों का असर धरातल पर साफ दिखाई देने लगा है। प्रदेश स्तर पर जारी जून माह की सीएम डैशबोर्ड रैंकिंग में विकास कार्यों के मामले में सोनभद्र को प्रदेश में दूसरा स्थान प्राप्त हुआ है।

जिलाधिकारी चर्चित गौड़ के कुशल निर्देशन व प्रभावी नेतृत्व के चलते जनपद सोनभद्र ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने में सफलता पाई है। जिलाधिकारी ने बताया कि जून माह के जारी आंकड़ों के मुताबिक सोनभद्र ने विकास कार्यों में प्राप्त हुआ है। उन्होंने बताया कि विकास कार्यों की गणना के लिए निर्धारित 63 सूचकांकों के सापेक्ष जनपद को 59 सूचकांकों में ए ग्रेड प्राप्त हुआ है। सोनभद्र ने विकास कार्यों के मामले में 630 अंकों में 610 अंक प्राप्त कर उ. ष्ट प्रदर्शन किया है। यह उपलब्धि सभी विभागों के बेहतर समन्वय, नियमित अनुश्रवण एवं जनहित के प्रति प्रतिबद्ध कार्यशैली का परिणाम है। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह सफलता सभी के सामूहिक प्रयास, टीम भावना तथा शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप किए गए सतत कार्यों का प्रतिफल है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डैशबोर्ड के मानक के अनुरूप सभी अधिकारी एवं कर्मचारी पूरी निष्ठा, पारदर्शिता व जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्व का निर्वहन करते रहें। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि शासन की प्राथमिकता के अनुरूप जनशिकायतों एवं विभिन्न विभागीय प्रकरणों का समयबद्ध, संवेदनशील एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सर्वोच्च प्राथमिकता पर सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विभाग नियमित मॉनिटरिंग करते हुए लंबित प्रकरणों का शीघ्र समाधान करें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के समर्पित प्रयासों से जनपद भविष्य में भी उत्ष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रदेश में और बेहतर स्थान प्राप्त करेगा।

मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना में निःशुल्क नीट एवं जेईई को लेकर विषय विशेषज्ञों से आवेदन आमंत्रित

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र।जिला समाज कल्याण अधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह भदौरिया ने अवगत कराया है कि मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के अंतर्गत सामुदायिक भवन, टोल प्लाजा के पास, लोढ़ी (सोनभद्र) में निःशुल्क कोचिंग का संचालन किया जा रहा है। इस योजना के माध्यम से प्रतिभावान, मेधावी एवं परिश्रमी छात्र–छात्राओं को नीट एवं जेईई जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की गुणवत्तापूर्ण निःशुल्क तैयारी कराई जा रही है। कोचिंग के प्रभावी संचालन के लिए भौतिक विज्ञान एवं रसायन विज्ञान विषयों के शिक्षक/विषय विशेषज्ञों का इम्पैनलमेंट किया जाना है। नीट के लिए संबंधित विषय में एम.एससी. अथवा एमबीबीएस डिग्रीधारी तथा जेईई के लिए संबंधित विषय में एम.एससी. अथवा एम.टेक. डिग्रीधारी अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं। इच्छुक अभ्यर्थी जिला समाज कल्याण कार्यालय से ऑफलाइन आवेदन पत्र प्राप्त कर उसे पूर्ण रूप से भरकर आवश्यक अभिलेखों एवं स्वप्रमाणित छायाप्रतियों सहित जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय, विकास भवन, कक्ष संख्या–05, लोढ़ी, सोनभद्र में निर्धारित तिथि तक जमा करें। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 15 जुलाई, 2026 निर्धारित की गई है। अधिक जानकारी के लिए अभ्यर्थी जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय के मोबाइल नंबर 7905343407 एवं 9151935293 पर संपर्क कर सकते हैं।

ओबीसी बेरोजगार युवक–युवतियों के लिए निःशुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण योजना में आवेदन 20 जुलाई तक

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र।पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के पात्र बेरोजगार युवक–युवतियों के लिए वर्ष 2026–27 की निःशुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण योजना के अंतर्गत ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी श्री नरेन्द्र कुमार पाण्डेय ने बताया कि न्यूनतम इंटरमीडिएट उत्तीर्ण अभ्यर्थी, जिनके माता–पिता/अभिभावकों की समस्त स्रोतों से वार्षिक आय एक लाख रुपये से अधिक न हो, वे 20 जुलाई 2026 तक विभागीय पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन की प्रति आवश्यक अभिलेखों सहित 25 जुलाई 2026 तक जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी कार्यालय, कक्ष संख्या–37, विकास भवन लोढ़ी, सोनभद्र में जमा करना अनिवार्य होगा। उन्होंने बताया कि जनपद में प्रशिक्षण हेतु तीन संस्थान चयनित किए गए हैं, जिनमें .ष्णा इंस्टीट्यूट ऑफ कम्प्यूटर साइंस, सु.त; कॉमन सर्विस सेंटर, नई बाजार, सोनभद्र तथा अंसार इंस्टीट्यूट ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, रामनगर उत्तरी, दुद्धी शामिल हैं। इच्छुक अभ्यर्थी योजना से संबंधित विस्तृत जानकारी एवं आवेदन प्रक्रिया के संबंध में जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी कार्यालय, विकास भवन लोढ़ी, सोनभद्र अथवा मोबाइल नंबर 9369963358 पर संपर्क कर सकते हैं।

स्कूल चलो अभियान रैली का किया शुभारंभ

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। विकासखंड दुद्धी के अंतर्गत ग्राम पंचायत बुटबेढवा में स्थित कंपोजिट विद्यालय में खंड शिक्षा अधिकारी दूध्दि प्रेम शंकर राम के निर्देशन में आज स्कूल चलो अभियान की रैली नवप्रवेशी कक्षा एक के बच्चों एवं प्रधानाध्यापक राजकमल व अंजू रानी ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर शुरुआत की। विद्यालय के बच्चों व सभी शिक्षकों ने सेवित क्षेत्र विंढमगंज बाजार, रामलीला ग्राउंड, शिव मंदिर रोड, आदर्श नगर चौराहा, मुस्लिम बस्ती व कहारी मोहल्ला आदि क्षेत्रों में रैली निकाल कर ग्रामीणों व अभिभावकों को अपने बच्चों के नामांकन व नियमित रूप से विद्यालय भेजने के लिए प्रेरित किया, इस दौरान बच्चों ने विभिन्न नारों जैसे आधी रोटी खाएंगे, स्कूल पढ़ने जाएंगे, एक भी बच्चा छुटा, संकल्प हमारा टूटा, हम भी स्कूल जाएंगे, मम्मी पापा का मान बढ़ाएंगे आदि नारा लगाते हुए लोगों को जागरूक किया इस अवसर पर प्रधानाध्यापक ने रैली के समापन सभा में संबोधित करते हुए कहा कि 6 से 14 वर्ष के सभी बच्चों को स्कूल में नामांकन करने के साथ–साथ प्रतिदिन बच्चों को स्कूल भेजना हर माता–पिता का नैतिक जिम्मेदारी होना चाहिए तभी बच्चों का भविष्य बेहतर हो सकता है विद्यालय में बेहतर शिक्षा के सभी संसाधन सरकार के द्वारा उपलब्ध कराया गया है जैसे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा निशुलै, पाठ पुस्तक यूनिफॉर्म, पुस्तकालय, खेलकूद सामग्री, स्मार्ट क्लास तथा गुणवत्ता युक्त मध्यान भोजन मिलता है साथ ही साथ संचारी रोगों के नियंत्रण पर भी लोगों को जागरूक किया गया इस अवसर पर विद्यालय के अध्यापक शालिनी गुप्ता, अनुराग तिवारी, श्वेता जायसवाल, पद्मावती देवी व चंचल गुप्ता ने रैली के संचालन में सहयोग किया।

किरबिल में आंधप्रदेश से आया किशोर का शव,मुआवजे की मांग को लेकर 14 घंटे एम्बुलेंस रोक

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। म्योरपुर थाना के ग्राम पंचायत किरबिल के पश्चिम टोले से आंधप्रदेश प्रदेश कमाने गए 17 वर्षीय बंधु पुत्र लाल जी नमक किशोर को वहां क्रेशर प्लांट में मजदूरी करने के दौरान सांप काटने से इलाज के दौरान मौत हो गई। गुरुवार को आधी रात शव लेकर किशोर के घर पहुंचे एंबुलेंस को मृतक के घर और परिजनों ने रोक लिया और मुआवजे की मांग पर अड़े रहे क्रेशर मालिक का फोन बंद कर लिए जाने के बाद ग्रामीण गुस्से में हो गए और काम पर के जाने वाले देवरी के युवक के साथ पंचायत हुई इस बीच 14 घंटे तक एंबुलेंस को शव सहित रोका गया।लिखित आश्वासन के बाद शुक्रवार को लगभग ढाई बजे एंबुलेंस को छोड़ दिया गया।मृतक के पिता लाल जी ने बताया कि मृत बेटे का पोस्टमार्टम आंध्रप्रदेश में हो गया था अब हम लोग अपने रीतिरिवाज से बेटे का दाह संस्कार करेंगे। मौके पर पहुंचे सपा नेता नीरेंद्र प्रताप सिंह हृदय नारायण,विनोद सिंह,राजेंद्र ओयमा,सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे और परिजनों को ढांढस बंधवाया। थानाध्यक्ष रविकांत मिश्र ने बताया कि किशोर की सांप काटने से मौत हुई है तो वहां की राज्य सरकार से मुआवजा मिलेगा ।

सदर विधायक ने विकास कार्यों का किया शिलान्यास

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र।राबर्ट्सगंज विधायक भूपेश चौबे द्वारा डूडा विभाग की मुख्यमंत्री अल्पविकसित शहरी विकास योजना अंतर्गत राबर्ट्सगंज नगर पालिका परिषद में 05 कार्य,चुर्क नगर पंचायत में 03 कार्य एवं डाला नगर पंचायत में 02 कार्य सहित कुल 10 कार्य का शिलान्यास किया गया। जिसकी कुल धनराशि 02.93 करोड़ की है उक्त कार्य में सी0सी0रोड/ईंटरलाकिंग एवं नाली कार्य शामिल हैं। उक्त कार्य से नगरीय क्षेत्र के लोगों को आवागमन एवं ड्रेनेज कार्य की बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी। उक्त अवसर पर विधायक भूपेश चौबे द्वारा यह कहा गया कि राबर्ट्सगंज के जनप्रतिनिधी के रुप में अपने क्षेत्र के लोगों को बेहतर बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने के लिए कटिबद्ध रहा हूं और आगे भी रहूंगा। प्रधानमंत्री एवं यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन उतर प्रदेश उतम प्रदेश बन गया है।इसी प्रकार राबर्ट्सगंज भी नित प्रतिदिन विकास की ओर अग्रसर है और आगे भी विकास की कड़ी आप सभी के आशिर्वाद से जारी रहेगा। उक्त अवसर पर स्थानीय लोग,सभासद, पत्रकार बंधु तथा डूडा विभाग के अधिकारी एवं कार्मिक उपस्थित रहे। वार्ड नंबर 01 की महिलाओं और बच्चों ने विधायक का स्वागत एवं अभिनन्दन किया।

पत्नी के मायके जाने से क्षुब्ध युवक ने लगाई फांसी

फतेहपुर। गाजीपुर थाना क्षेत्र के खनसेनपुर मजरे परसेटा गांव में पारिवारिक विवाद के चलते एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया। जानकारी के अनुसार खनसेनपुर मजरे परसेटा गांव निवासी 40 वर्षीय अभिमन्यु पुत्र जागेश्वर पासवान का पत्नी ममता से किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। विवाद के बाद पत्नी अपने मायके चली गई थी। इससे आहत अभिमन्यु ने मंगलवार देर रात करीब एक बजे गांव के बाहर जंगल में जाकर नीम के पेड़ पर रस्सी के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सुबह ग्रामीणों ने पेड़ से शव लटकता देखा तो इसकी सूचना परिजनों और पुलिस को दी। सूचना मिलते ही गाजीपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतरवाकर आवश्यक पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी की। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। बताया गया कि मृतक अपने पीछे पत्नी, दो बेटियां और एक बेटा छोड़ गया है। घटना के बाद परिवार का रो–रोकर बुरा हाल है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य तथ्यों के आधार पर आगे की आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

विंढमगंज पुलिस ने वारंटी को किया गिरफ्तार, न्यायालय में पेश कर भेजा जेल

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र।पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत विंढमगंज थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस टीम ने लंबे समय से फरार चल रहे एक वारंटी अभियुक्त को गिरतार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। थानाध्यक्ष विंढमगंज के नेतृत्व में शुक्रवार को पुलिस टीम ने ग्राम पतरिहा निवासी बलवंत पुत्र स्व. राम किशोर उर्फ रामू (लगभग 46 वर्ष) को गिरतार किया। आरोपी के विरुद्ध वर्ष 2005 के मुकदमे में न्यायालय द्वारा वारंट जारी था। पुलिस ने आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

पुलिस के अनुसार गिरतार अभियुक्त के खिलाफ विंढमगंज थाने में पूर्व से भी आपराधिक मुकदमा दर्ज है। उसके विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं में भी कार्रवाई की जा चुकी है। इस कार्रवाई में थानाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह, उपनिरीक्षक जयप्रकाश यादव तथा कांस्टेबल प्रियांशु तिवारी की प्रमुख भूमिका रही। पुलिस अधीक्षक ने फरार वारंटियों और वांछित अपराधियों के विरुद्ध अभियान को आगे भी लगातार जारी रखने के निर्देश दिए हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक:– श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक– राजेश कुमार शर्मा
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458 9415163471, 9453824459 दैनिक बुद्ध का संदेश 9795951917,9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

बदहाल स्कूल, बेफिक्र हेडमास्टर! आदर्श बाल विद्यालय में दिखेगा के के मेनन का नया अवतार, पहली झलक संग तय हुई रिलीज डेट

ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो ने अपनी नई ऑरिजिनल कॉमेडी–ड्रामा सीरीज आदर्श बाल विद्यालय के वर्ल्डवाइड प्रीमियर की घोषणा कर दी है। इसका निर्देशन हिमांक गौर ने किया है, जबकि बिस्वपति सरकार और समीर सक्सेना ने पोशम पा पिक्चर्स के बैनर तले इसे एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूस किया है। शो को लिखने में बिस्वपति सरकार के साथ अक्षय अस्थाना, नूपुर पाई, तत्सत पांडे और मेघना श्रीवास्तव जैसी लेखकों की टीम ने योगदान दिया है। मुख्य भूमिका में दिग्गज अभिनेता के के के मेनन नजर आएंगे। उनके साथ अर्चना पूरन सिंह, नवीन कस्तूरिया, प्रसन्ना बिष्ट, देवेन भोजानी और अभिमन्यु सिंह जैसे मंझे हुए कलाकार अहम किरदारों में दिखेंगे। यह सीरीज दुनिया भर के 240 से अधिक देशों में हिंदी भाषा और अंग्रेजी सबटाइटल के साथ स्ट्रीम की जाएगी। सात एपिसोड्स वाली इस बेहद दिलचस्प सीरीज का प्रसारण आगामी 24 जुलाई से होने जा रहा है।

इस सीरीज की कहानी एक ऐसे सरकारी स्कूल के इर्द–गिर्द बुनी गई है जो अपनी बदहाली के आखिरी छोर पर है। कहानी के केंद्र में हैं ज्ञानेश्वर त्रिपाठी (के के मेनन), जो इस स्कूल के बेहद बेफिक्र मिजाज वाले हेडमास्टर हैं। ज्ञानेश्वर का एक बड़ा सपना है, कैंब्रिज में होने वाले एक प्रतिष्ठित सरकारी ट्रेनिंग प्रोग्राम में शामिल होना। इसी चाहत के चलते वे अनजाने में स्कूल की सूरत बदलने के एक अनोखे और चुनौतीपूर्ण सफर पर निकल पड़ते हैं। शहर के सबसे पिछड़े और अव्यवस्थित स्कूल को सुधारने के लिए वे अजीबोगरीब शिक्षकों की एक टीम बनाते हैं। इस सफर में उन्हें संसाधनों की भारी किल्लत, शरारती बच्चे, लापरवाह पेरेंट्स और प्रशासनिक अड़चनों का सामना करना पड़ता है। यह शो हंसी–मजाक के साथ–साथ भावनाओं का एक खूबसूरत ताना–बाना पेश करता है। प्राइम वीडियो इंडिया के ओरिजिनल्स हेड, निखिल मधोक ने सीरीज को लेकर उत्साह जताते हुए कहा कि आदर्श बाल विद्यालय हमारे एजुकेशन सिस्टम की कमियों को बेहद हल्के–फुल्के और मजेदार अंदाज में सामने लाती है। यह कहानी दिल को छूने वाली और हर आम इंसान को अपनी सी लगने वाली है। वहीं शो के को–क्रिएटर बिस्वपति सरकार और समीर सक्सेना ने बताया कि इस शो की शुरुआत एक छोटे से विचार से हुई थी। वे एक ऐसे स्कूल की कहानी दिखाना चाहते थे जो हर मोर्चे पर नाकाम दिख रहा है, लेकिन फिर भी वहां के शिक्षकों और छात्रों का जज्बा उसे जिंदा रखे हुए है। उन्होंने मुख्य किरदार की तारीफ करते हुए कहा कि ज्ञानेश्वर के रूप में के के मेनन ने अपने बेमिसाल अभिनय से जान फूंक दी है, जो दर्शकों को बेहद पसंद आएगा।

बारिश और व्हाइट कपड़ों की दीवानी हैं मन्नत फेम आयशा सिंह, बोलीं– शूट के बाद भीगने चली गई

टीवी एक्ट्रेस आयशा सिंह इन दिनों अपने सीरियल मन्नतरू हर खुशी पाने की को लेकर सुर्खियों में हैं. शो की कहानी, उनका किरदार और अभिनय दर्शकों को बहुत पसंद आता हैं. इसी बीच

आयशा ने खुलासा किया कि उन्हें बारिश का मौसम बहुत पसंद हैं. इतना ही नहीं, उन्हें जब भी मौका मिलता है, वो बारिश में भीगने चली जाती हैं.

आयशा ने कहा कि शूट खत्म होते ही मैं बारिश में चली गई. मैंने टीम से पूछा कि क्या मैं भीग सकती हूं? उन्होंने कहा हां. फिर मैंने एक सेकंड भी वेस्ट नहीं किया. बारिश की बूंदें एक अलग सुकून देती है. उनके इस बयान से लगता है कि वो इस मौसम को खुलकर जीती है और अपने दिन को एंजॉय करती हैं.

जहां बारिश में कई सेलेब्स को व्हाइट कलर के कपड़े पहनना पसंद नहीं हैं क्योंकि भीगने के बाद वो ट्रांसपेरेंट हो जाते है. वहीं आयशा के ख्याल इससे बिल्कुल अलग हैं और उन्हें इस कलर से कोई परेशानी नहीं है. उन्होंने कहा, मुझे व्हाइट आउटफिट बहुत पसंद हैं. व्हाइट पे गो क्रेजी. बारिश के साथ व्हाइट कपड़े का कॉम्बिनेशन कैमरे पर सबसे खूबसूरत लगता है. हालांकि आयशा को शॉर्ट्स, टी–शर्ट और फ्लिप–फ्लॉप वाला कैजुअल स्टाइल भी बहुत पसंद हैं.

वहीं बात करें सीरियल की, तो इसकी शुरुआत पिछले साल जनवरी में हुई, जो कलर्स टीवी पर प्रसारित होता है. शो की कहानी मन्नत नाम की लड़की की है, जिसका सपना शेफ बनने का है. हालांकि उसकी जिंदगी में कई ऐसे मोड़ आते है, जिससे उसकी जिंदगी बदलती हुई नजर आती है. इसके बावजूद वो हार नहीं मानती और अपने परिवार के लिए खड़ी नजर आती हैं.

राघव जुयाल की भाई तेरा स्टार है की पूरी कास्ट आई सामने, संजय कपूर के साथ नजर आएंगे ये कलाकार

राघव जुयाल इन दिनों अपनी आगामी फिल्म भाई तेरा स्टार

है को लेकर चर्चाओं में हैं। हाल ही में फिल्म का फर्स्ट लुक जारी किया गया था, जिसमें राघव जुयाल नजर आए थे। अब मेकर्स ने फिल्म की पूरी स्टार कास्ट की घोषणा कर दी है। फिल्म में राघव के साथ एक बड़ी कास्ट नजर आएगी। मेकर्स ने एक दिलचस्प वीडियो के जरिए फिल्म की पूरी कास्ट की जानकारी दी है। इस वीडियो में फिल्म के बाकी कलाकार एक–एक करके आते हैं। अजय सिंह के रोल में राघव जुयाल के साथ इस फिल्म में संजय कपूर, बरखा सिंह, निहारिका एनएम, चंदन रॉय सान्याल, विकल्प मेहता, विवान भटेना, निक्की अनेजा वालिया, पार्वती ओमानकुट्टन, टीना देसाई, विनीत बीप कुमार, नासेर अल अजेह और देव बी. अग्रवाल अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। विवेक बी. अग्रवाल द्वारा निर्देशित भाई तेरा स्टार है ईस्टवुड पिक्चर्स और इंडियन स्टोरीज 2 का प्रोडक्शन है। हाल ही में मेकर्स ने फिल्म का पहला टीजर जारी किया था, जो दर्शकों को एक ऐसे युवा की मजेदार और उथल–पुथल भरी दुनिया में ले जाता है, जिसे पक्का यकीन है कि वह सुपरस्टार बनेगा। राघव जुयाल इसमें अजय सिंह के मुख्य रोल में हैं। यह फिल्म 30 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

बॉक्स ऑफिस पर अल्फा को जमकर टक्कर दे रही वेलकम टू द जंगल, बेबी डू डाई डू और कॉकटेल 2 की रफ्तार धीमी

सिनेमाघरों में इस समय आलिया भट्ट और शरवरी अभिनीत अल्फा तथा अक्षय कुमार की मल्टीस्टारर वेलकम टू द जंगल के बीच बॉक्स ऑफिस पर कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिल रही है। दोनों फिल्में दर्शकों का अच्छा समर्थन हासिल कर रही हैं, हालांकि सप्ताहांत के बाद कमाई की रफ्तार में गिरावट दर्ज की गई है। वहीं हुमा कुरैशी की बेबी डू डाई डू अभी तक दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने में सफल नहीं हो सकी है। दूसरी ओर कॉकटेल 2 की कमाई अब धीरे–धीरे लाखों तक सिमट गई है। आलिया भट्ट और शरवरी स्टारर अल्फा ने रिलीज के शुरुआती दिनों और पहले वीकेंड में शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन वीकडेज में इसकी कमाई में उल्लेखनीय गिरावट आई है। बुधवार को फिल्म ने 2.85 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जो रिलीज के छह दिनों में इसका सबसे कम दैनिक कलेक्शन रहा। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई 44.95 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है।

वहीं 26 जून को रिलीज हुई अक्षय कुमार की मल्टीस्टारर वेलकम टू द जंगल लगातार मजबूत प्रदर्शन कर रही है। बुधवार को फिल्म ने 2.35 करोड़ रुपये की कमाई की। इसके साथ ही इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 122.90 करोड़ रुपये हो गया है। फिल्म अब भी दर्शकों की पसंद बनी हुई है और टिकट खिड़की पर मजबूती से टिकी हुई है।

छोटे बजट में बनी हुमा कुरैशी की बेबी डू डाई डू को अब तक उम्मीद के मुताबिक दर्शक नहीं मिल पाए हैं। रिलीज के छह दिनों में फिल्म एक भी दिन एक करोड़ रुपये का आंकड़ा पार नहीं कर सकी। बुधवार को इसने 53 लाख रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल कलेक्शन 3.11 करोड़ रुपये पहुंच गया।

उधर शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना अभिनीत कॉकटेल 2 को रिलीज हुए तीन सप्ताह से अधिक समय हो चुका है। इसके चलते फिल्म की कमाई अब लगातार घट रही है। बुधवार को फिल्म ने 45 लाख रुपये का कारोबार किया। इसके साथ इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 93.90 करोड़ रुपये हो गया है। मौजूदा रफ्तार को देखते हुए फिल्म के लिए 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करना चुनौतीपूर्ण माना जा रहा है।

एल्युमिनियम बनाम स्टेनलेस स्टीलः इन प्रेशर कुकर्स में से किसका चयन करना है बेहतर?

प्रेशर कुकर्स खाना पकाने का एक सुरक्षित और सुविधाजनक तरीका है। ये उच्च तापमान और प्रेशर के तहत भोजन को तेजी से पका सकते हैं। हालांकि, जब बात प्रेशर कुकर्स की हो, तो बाजार में एल्युमिनियम और स्टेनलेस स्टील दोनों प्रकार के कुकर्स उपलब्ध हैं। इस लेख में हम जानेंगे कि एल्युमिनियम और स्टेनलेस स्टील में से किसका चयन करना अधिक सुरक्षित और लाभकारी है ताकि आप अपने रसोई के लिए सही विकल्प चुन सकें।

एल्युमिनियम प्रेशर कुकर्स के फायदे

एल्युमिनियम प्रेशर कुकर्स हल्के होते हैं और जल्दी गर्म होते हैं, जिससे खाना पकाने का समय कम होता है। ये कुकर्स आमतौर पर सस्ते होते हैं और इनका उपयोग लंबे समय तक किया जा सकता है। एल्युमिनियम कुकर्स अच्छे तापमान वितरण प्रदान करते हैं, जिससे खाना समान रूप से पकता है। हालांकि, इन पर ध्यान देना जरूरी है क्योंकि अगर इन्हें तेज आग पर रखा जाए तो ये खराब हो सकते हैं।

स्टेनलेस स्टील प्रेशर कुकर्स के लाभ

स्टेनलेस स्टील प्रेशर कुकर्स अधिक मजबूत होते हैं और लंबे समय तक चलते हैं। इनका उपयोग कई वर्षों तक किया जा सकता है। स्टेनलेस स्टील कुकर्स में खाना पकाने से कोई हानिकारक रसायन नहीं निकलते, जिससे सेहत पर कोई असर नहीं पड़ता। ये कुकर्स साफ करने में भी आसान होते हैं और इनका डिजाइन आकर्षक होता है। स्टेनलेस स्टील प्रेशर कुकर्स में खाना पकाने से पोषक तत्व भी सुरक्षित रहते हैं।

सेहत पर प्रभाव

जब बात सेहत की आती है, तो स्टेनलेस स्टील प्रेशर कुकर्स अधिक सुरक्षित माने जाते हैं। एल्युमिनियम कुकर्स में कभी–कभी एल्युमिनियम के कण भोजन में मिल सकते हैं, जो सेहत के लिए हानिकारक हो सकते हैं। स्टेनलेस स्टील कुकर्स में खाना पकाने से कोई हानिकारक रसायन नहीं निकलते, जिससे ये सेहत पर कोई असर नहीं डालते। इसलिए अगर आप अपनी सेहत को लेकर चिंतित हैं तो स्टेनलेस स्टील प्रेशर कुकर्स का चयन करना बेहतर होगा।

कीमत और देखभाल पर ध्यान दें

कीमत दोनों प्रकार के कुकर्स में भिन्नता हो सकती है। एल्युमिनियम कुकर्स सस्ते होते हैं, लेकिन इनकी उम्र कम होती है, वहीं स्टेनलेस स्टील कुकर्स महंगे होते हैं, लेकिन इनकी उम्र लंबी होती है और देखभाल भी आसान होता है। अगर आप लंबे समय तक उपयोग करने योग्य कुकर चाहते हैं तो स्टेनलेस स्टील कुकर्स का चयन करें। हालांकि, अगर आपका बजट सीमित है तो आप एल्युमिनियम कुकर्स भी ले सकते हैं, लेकिन ध्यान रखें कि इन्हें सुरक्षित रखें।

दोनों में से किस प्रेशर कुकर का करना चाहिए चयन

एल्युमिनियम और स्टेनलेस स्टील दोनों प्रकार के प्रेशर कुकर्स अपने–अपने फायदे और नुकसान रखते हैं। अगर आप सुरक्षित, मजबूत और सेहतमंद विकल्प चाहते हैं तो स्टेनलेस स्टील प्रेशर कुकर्स सबसे अच्छा विकल्प होगा। एल्युमिनियम कुकर्स सस्ते होते हैं, लेकिन इनकी उम्र कम होती है और सेहत पर असर डाल सकते हैं। इसलिए अपनी जरूरतों और बजट के अनुसार सही विकल्प चुनें ताकि आप सुरक्षित और सुविधाजनक तरीके से खाना पका सकें।